हिंदी डेली
आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 200 Monday, 12 May 2025 सोमवार, 12 मई 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

दिल्ली विधानसभा बनेगी भारत की पहली सौर ऊर्जा से चलने वाली विधानसभा, हर महीने 15 लाख की होगी बचत

नई दिल्ली(एजेंसी),

दिल्ली विधानसभा ग्रीन एनर्जी की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाने जा रही है। यहां 12 मई को 500 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी जाएगी, जिससे विधानसभा पूरी तरह सौर ऊर्जा से चलेगी। इसके बाद दिल्ली में भारत की पहली सौर ऊर्जा से चलने वाली विधानसभा होगी। दिल्ली विधानसभा परिसर में सोमवार को सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी जाएगी।

सेना ने कहा-पाकिस्तान ने सीजफायर तोड़ा तो तगड़ा जवाब देंगे

ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन के 40 सैनिक-अफसर मारे, 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार को तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे। इसके बाद हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए।

पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए

जनरल राजीव घई ने कहा कि हमने कई आतंकी ठिकानों की पहचान की थी। लेकिन कई आतंकी ठिकाने डर की वजह से खाली हो गए थे। भारत ने काफी सोच-समझकर टारगेट तय किए। सेना ने पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया।

पहलगाम अटैक के बाद से नेवी भी थी अलर्ट

वाइस एडमिरल ए ए प्रमोद ने बताया पहलगाम आतंकी हमले के बाद नेवी ने अपने एसेस्ट्स डिप्लॉय कर दिए थे। हमने अपनी ऑपरेशनल रेडिनोस के लिए समंदर में टेस्ट भी किए। नेवी ने पाकिस्तान की नेवी को डिफेंसिव पॉश्चर में रहने को मजबूर किया। वह पूरे टाइम अपने हार्बर में रहे। जनरल राजीव घई ने बताया कि 10 मई की सुबह पाकिस्तान के डीजीएमओ से हॉटलाइन पर मैसेज आया। उन्होंने बात करने के लिए पूछा, हमने तय किया है बात करेंगे।

बहावलपुर में आतंकी कैंप किया तबाह

डीजी एयर ऑपरेशन एयर मार्शल ए के भारती ने बताया कि आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक में एयर टू सर्फेस गाइडेड एम्युनिशन का इस्तेमाल किया गया ताकि कोलेटरल डैमेज ना हो। एयरफोर्स ने मुरीदके और बहावलपुर में आतंकी ट्रेनिंग कैंप को सटीक निशाना बनाया। स्ट्राइक का मकसद अचीव हुआ। बहावलपुर में हाई वैल्यू टारगेट था।

पाकिस्तान ने खोए अपने 35-40 जवान

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा ऑपरेशन सिंदूर का मकसद साफ था आतंकवादियों और उनके योजनाकारों को सजा देना और उनके आतंकी नेटवर्क को खत्म करना। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से हमारे एयर फील्ड को निशाना बनाने की कोशिश की। हमने फेल किए। हमने पाकिस्तान के 35-40 सैनिकों को मार गिराया।

सिर्फ सीजफायर हुआ है...

- मोदी सरकार के 6 बड़े फैसले दे रहे हैं इस बात की गवाही

पाकिस्तान को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमा पार तनाव बढ़ने को पूरी दुनिया ने देखा। भारत ने इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। शनिवार को भारत और पाकिस्तान तत्काल सीजफायर प

- सिंधु जल समझौता से लेकर वीजा सेवाओं तक सब स्थगित

सहमत हो गए हैं। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। सीजफायर भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच प्रत्यक्ष बातचीत का परिणाम था। इसमें इस्लामाबाद ने बिना किसी पूर्व शर्त, बिना किसी बाद की शर्त और अन्य मुद्दों से किसी भी तरह के संबंध के साथ शर्तों पर सहमति व्यक्त की थी। हालांकि, सीजफायर के बाद भी भारत पाकिस्तान को बख्शने के मूड में नहीं है। भारत के छह फैसले ऐसे हैं जो संघर्ष विराम के बाद भी लागू रहेंगे।

सिंधु जल समझौते पर रोक, अटारी चेक पोस्ट खुलेगा- सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि शनिवार को हुए युद्ध विराम समझौते में कोई पूर्व शर्त नहीं है, और सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी। अटारी में एकीकृत चेक-पोस्ट भी बंद रहेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच अटारी-वाघा सीमा क्रॉसिंग को एक सप्ताह तक भारी सीमा पार आवाजाही के बाद पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

व्यापार पर जारी रहेगा प्रतिबंध एयरस्पेस भी अब नहीं खुलेगा

पाकिस्तान से सभी आयातों पर प्रतिबंध, चाहे वे प्रत्यक्ष हों या मध्यस्थ देशों के माध्यम से, भी जारी रहेगा। इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान में रजिस्टर्ड जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। साथ ही भारतीय जहाजों को पाकिस्तानी बंदरगाहों तक पहुंचने पर रोक लगा दी गई है जो एक सख्त कूटनीतिक रुख को दर्शाता है। विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) मेंपाकिस्तान से आयात पर प्रतिबंध के तहत एक नए शामिल प्रावधान में कहा गया है,पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या पारगमन, चाहे स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हो या अन्यथा अनुमति प्राप्त हो, तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा। वहीं भारत पाकिस्तान से आने-जाने वाली या पाकिस्तान से होकर जाने वाली उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करना जारी रखेगा। यह कदम 30 अप्रैल से लागू है।

वक्त बीतने के साथ...

सीजफायर होते ही पाक रक्षा मंत्री ने दिखाया रंग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद शांति का रास्ता बनता दिखा है। चार दिन तक चले हमलों के बाद दोनों देश शनिवार को सैन्य कार्रवाई रोकने पर राजी हुए हैं। ये संघर्ष 6 मई को भारत के पाकिस्तान में आतंकी

ठिकानों को निशाना बनाते हुए किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था। इससे पहले भारत ने सिंधु जल संधि निलंबित करने, पाकिस्तान से व्यापार रोकने और बॉर्डर बंद करने जैसे फैसले लिए थे। भारत से सीजफायर के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि अब सभी मुद्दों पर भारत से बातचीत का रास्ता खुल सकता है। ख्वाजा आसिफ ने एक न्यूज चैनल पर बात करते हुए कहा भारत के साथ पाकिस्तान के तीन प्रमुख मुद्दे- कश्मीर, सिंधु जल संधि और आतंकवाद है।

तू न थमेगा कभी, तू न झुकेगा कभी...

- अमिताभ बच्चन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तोड़ी चुप्पी, सेना को किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया और इस हमले का बदला लिया। बॉलीवुड के तमाम सितारों ने भी सेना के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और

उनका हौसला बढ़ाया। हालांकि, महानायक अमिताभ बच्चन ने ऐसे समय में सोशल मीडिया पर चुप्पी साधी हुई थी। उनकी ब्लैंक पोस्ट यूजर्स को खटक रही थी। लेकिन अब उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। अमिताभ ने पोस्ट में लिखा तू ना थमेगा कभी, तू न मुड़ेगा कभी, तू न झुकेगा कभी, कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ! अग्निपथ! अग्निपथ! अग्निपथ!!!

राष्ट्रप्रेम के जरिए हिंदी बेल्ट में '50' पर निशाना

- असदुद्दीन ओवैसी का यूं ही नहीं हुआ हृदय परिवर्तन

पटना (एजेंसी)। पुलवामा से पहलगाम घटना तक आते-आते ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन पार्टी के सांसद असदुद्दीन ओवैसी का हृदय परिवर्तन हुआ या चुनावी नीति बदल गई है। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से चुनाव लड़ने के इच्छुक रहे ओवैसी ने अब अपने पांव

हिंदी बेल्ट में फैलाने शुरू कर दिए हैं। उम्मीदवार भी गैर मुस्लिम से देने लगे हैं। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने अब कम से कम 50 सीटों पर लड़ने का ऐलान भी कर दिया है।

बिहार: 10 जगह सख्त निगरानी 2 लाख जवान रहे हमेशा तैयार

- सादे लिबास में महिला जवान तैनात, वॉलेंटियर्स का भत्ता बढ़ाएगी नीतिश सरकार

पटना (एजेंसी)। पाकिस्तान के सीजफायर के उल्लंघन के बाद एक बार फिर से भारत-पाक के बीच जंग के हालात बन गए थे। युद्ध के हालात से निपटने के लिए बिहार पूरी तरह तैयार रहा। इसके लिए सवा 2 लाख से अधिक वॉलेंटियर और पुलिस बल तैयार थे। नदी से लेकर आसमान तक पर सख्त पहरा रहा। आ

स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने ऐक्शन प्लान तैयार किया था। इसमें इमरजेंसी सेवा के सभी कर्मचारियों की छुट्टी को रद्द कर दिया गया था। नेपाल बॉर्डर से लेकर अस्पताल तक को अलर्ट मोड में रहने का आदेश दिया गया था। पटना से हिंडन यानी गाजियाबाद, चंडीगढ़ और भुवनेश्वर की फ्लाइट को 15 मई तक के लिए रद्द कर दिया गया था। वहीं, पुलिस की साइबर पेट्रोलिंग को बढ़ा दिया गया था। पुलिस को अफवाहों, प्रॉपगेंडा, आपत्तिजनक वीडियो पर कड़ी नजर रखने का आदेश था।

नया भारत सीमा पार जाकर भी देगा मुंहतोड़ जवाब

राजनाथ बोले-ब्रह्मोस की धमक रावलपिंडी तक सुनाई दी

लखनऊ (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का वर्चुअली इनॉगरेशन किया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी, कहा- भारतीय सेना ने पराक्रम दिखा दिया है। आतंकवाद के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी। हमने केवल

- लखनऊ में ब्रह्मोस यूनिट शुरू राजनाथ ने किया उद्घाटन

सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। रक्षा मंत्री ने कहा- हमने कभी उनके आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक इलाकों, मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों पर हमले का प्रयास किया। तब भारतीय सेना ने शौर्य और संयम के साथ उत्तर दिया। पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया। रक्षामंत्री ने कहा- भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला किया था। कई परिवार के सिंदूर मिटाए थे।

सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए इंसाफ दिलाने का काम किया। यह ऑपरेशन भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रदर्शन है। यह ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छा-शक्ति का प्रतीक है।

आतंकवाद पूरी तरह कुचलेंगे तभी समस्या का समाधान होगा

आतंकवाद को लेकर पीएम मोदी ने ऐलान किया है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी मानी जाएगी। याद रखना, जब तक हम आतंकवाद को पूरी तरह कुचल नहीं देंगे, तब तक समस्या का समाधान नहीं होगा। किसी भी देश के लिए यह आवश्यक है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए किसी अन्य देश पर निर्भर न हो। पूरी दुनिया में युद्ध अलग-अलग क्षेत्रों में हो रहे हैं। उन क्षेत्रों में आप देखेंगे कि जिनके पास रक्षा उत्पादन की आत्मनिर्भरता नहीं है, वे अलग-थलग पड़ गए हैं। आपके सामने इजराइल का उदाहरण है। इजराइल ने दुश्मनों को नाकों चने चबवा दिए। ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी यूनिट लखनऊ से 30 किलोमीटर दूर भटगांव में है।

नूर खान एयरबेस तबाह, न्यूक्लियर कमांड सेंटर पर था भारत का निशाना!

अंदर तक दहल गई थी पाक सेना, डरे शहबाज ने तुरंत लगाया अमरीका फोन, बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना का हेडक्वार्टर है, जहां से पाकिस्तान की सरकार को कंट्रोल किया जाता है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में इसी शहर पर सबसे तेज और भयानक हमले किए। रावलपिंडी में ही नूर खान एयरबेस है, जहां पाकिस्तान की वायुसेना अपने फाइटर जेट्स में ईंधन भरती है, विमानों का मरम्मत होता है, यहीं से पाकिस्तान के वीवीआईपी नेता विदेशी दौरे के दौरान विमान से रवाना होते हैं और भारत ने इसी एयरबेस पर भयानक हमला किया था। इसने पाकिस्तान की सेना को अंदर से दहला दिया। एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि नूर खान एयरबेस पर हमला इस बात की चेतावनी थी कि भारत का अगला निशाना पाकिस्तान का परमाणु कमांड सेंटर हो सकता है, जो इस्लामाबाद से सिर्फ 10 किलोमीटर दूर था इससे पाकिस्तान की सेना डर गई।

पाकिस्तान के परमाणु बम गिराने की क्षमता को ही नष्ट करना चाहता था भारत

नूर खान एयरबेस पर हमले से हिली पाकिस्तान सेना!

भारत ने 10 मई को नूर खान एयरबेस के साथ साथ चकवाल में मुरीद और शोरकोट में रफीकी एयरबेस पर हमला करने के लिए ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल किया था। पाकिस्तान इस मिसाइल को ट्रैक भी नहीं कर पाया, इसीलिए ये एयरबेस बहुत हद तक निष्क्रिय हो चुके हैं। भारत के हमले में नूर खान एयरबेस को काफी नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तानी मीडिया और सुरक्षा सूत्रों ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के नष्ट होने की पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान इसी एयरबेस से टोही मिशन चलाता था। इसके अलावा लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइलों का बेस भी यही एयरबेस है। यानि, भारत ने इस एयरबेस पर हमला करके पाकिस्तान की लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता को बेअसर कर दिया।

पंजाब सरकार को बड़ा झटका देने की तैयारी में बीबीएमबी

भाखड़ा डैम पर तैनात होगी सीआईएसएफ, शपथ पत्र दायर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा और पंजाब के बीच छिड़े जल विवाद के दौरान बीबीएमबी (भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड) ने पंजाब सरकार को बड़ा झटका देने की तैयारी कर ली है। बीबीएमबी अब भाखड़ा की सुरक्षा पंजाब से वापस लेकर सीआईएसएफ को सौंपने जा रहा है। बीबीएमबी के चेयरमैन मनोज त्रिपाठी ने शुक्रवार की शाम हुई सुनवाई

के दौरान हाईकोर्ट में एक शपथ पत्र दायर करके पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट दी है। बीबीएमबी अध्यक्ष ने हाईकोर्ट में शपथ पत्र देकर कहा कि पंजाब कैडर के बीबीएमबी अधिकारियों और पंजाब पुलिस के असहयोग के कारण बीबीएमबी अधिकारी अपना काम नहीं कर पाए। भाखड़ा नंगल डैम पंजाब के अधिकार क्षेत्र में आता है। वहां इस समय पंजाब पुलिस की सुरक्षा है। इसके जवाब में बीबीएमबी चेयरमैन ने हाईकोर्ट को बताया कि बीबीएमबी द्वारा ब्यास सतलुज लिंक परियोजना सुंदरनगर हिमाचल प्रदेश में पहले से ही सीआईएसएफ को तैनात किया जा चुका है।

अधिकारियों को गेस्ट हाउस में हिरासत में ले लिया

अध्यक्ष ने शपथ पत्र में लिखा, नगल पहुंचने पर वे मुख्य द्वार से गेस्ट हाउस में प्रवेश नहीं कर पाए क्योंकि गेट पर बहुत सारे लोग एकत्र हुए थे और मुख्य द्वार बंद था। इसलिए वे दूसरे रास्ते से गेस्ट हाउस में प्रवेश करने में सफल रहे। गेस्ट हाउस पहुंचने के बाद मैंने बार-बार पुलिस कर्मियों से पंजाब के मुख्यमंत्री के दौरे के बारे में पूछा। बार-बार कहा गया कि कुछ मिनट और इंतजार करो। इस तरह दो घंटे से अधिक समय बर्बाद हो गया। प्रतीक्षा करने की इस प्रक्रिया में मुझे और बीबीएमबी के अन्य अधिकारियों को मित्रों और रिश्तेदारों से कई बार फोन आए कि पंजाब पुलिस ने उन्हें और बीबीएमबी के अन्य अधिकारियों को गेस्ट हाउस में हिरासत में ले लिया है। चेयरमैन को बीबीएमबी के सुरक्षा कर्मचारियों ने बताया कि बहुत सारे लोग एकत्र हो गए हैं।

संपादकीय | मुश्किल स्थिति से गुजर रहा है पाकिस्तान

अब यह पूरी तरह साफ है कि पाकिस्तान की बेजा हरकतों और आतंकवादियों को शह देने की प्रवृत्ति ने ही भारत के सामने आखिरी विकल्प के रूप में आतंकियों को ठोस जवाब देने की स्थिति पैदा कर दी। पहलगाम में आतंकी हमला धीरज रखने की अंतिम हद थी, जिसके बाद भारत ने वही किया, जो इसके लिए उचित था। अब सीमा पार आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले के बाद पाकिस्तान वैश्विक समुदाय के सामने जिस तरह अपनी व्यथा को पेश करने की कोशिश कर रहा है, उसमें आमतौर पर किसी देश ने कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके कारण भी साफ हैं। दरअसल, ज्यादातर देश जानते हैं कि दुनिया भर में आतंकवाद ने एक जटिल समस्या के रूप में जड़ पकड़ी और अलग-अलग देशों को बुरी तरह प्रभावित किया है, तो उसमें पाकिस्तान की क्या भूमिका रही है। आतंकियों को पलने-बढ़ने और प्रशिक्षण हासिल करने के आसान ठिकाने मुहैया करा कर पाकिस्तान ने क्या साबित करने की कोशिश की है? आखिर किन वजहों से कुछ आतंकवादी संगठनों को अपनी गतिविधियां संचालित करने के लिए पाकिस्तान एक सुरक्षित ठिकाना लगता रहा है? जाहिर है, बिना शह और संरक्षण के आतंकवादी किसी ऐसी जगह को अपने लिए सुरक्षित नहीं मान सकते। हालांकि संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जब भी आतंक का पोषण करने के मसले पर पाकिस्तान पर सवाल उठे, तब उसने हर बार इस आरोप से अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश की। मगर भारत ने दुनिया के तमाम प्रभावशाली देशों के सामने आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान के बारे में स्पष्ट तथ्य रखे। यह बेवजह नहीं है कि पाकिस्तान

अब भारत का जवाब झेलते हुए एक मुश्किल स्थिति से गुजर रहा है तो दुनिया के देश यह समझ रहे हैं कि इस स्थिति के लिए खुद पाकिस्तान का रुख जिम्मेदार है। इसी कारण अपनी सीमा में स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले को आधार बना कर वह वैश्विक समुदाय को अपना पक्ष बताने की कोशिश कर रहा है। मगर पिछले कई दशकों से आतंकवाद को जटिल बनाने में उसका जो रवैया रहा है, उसे देखते हुए तमाम देश भारत के जवाबी हमले और उससे उपजी स्थिति के बारे में पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

दूसरी ओर, भारत ने धीरज छूटने के बाद जिस तरह जवाब के तौर पर 'केंद्रित और नपी-तुली' कार्रवाई की, दुनिया के करीब सभी प्रभावशाली देशों ने उसका मजबूत आधार देखा और उसे उचित माना। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत साख वाला देश होने के नाते भारत ने अलग-अलग देशों के सामने स्थिति स्पष्ट करना अपनी जिम्मेदारी समझी। कूटनीतिक मोर्चे पर की गई भारत की इस पहलकदमी के सकारात्मक नतीजे सामने आए, जब भारतीय विदेश मंत्री ने अमेरिका, ईरान और सऊदी अरब के अपने समकक्षों से बात की और यह स्पष्ट किया कि भारत का पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर देश पर सैन्य हमला होता है तो मजबूती से जवाब दिया जाएगा।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद से अब तक जो वस्तुस्थिति सामने रही है, वह दुनिया की नजर में है और इसी वजह से कई देशों ने भारत के रुख का समर्थन किया। जाहिर है, भारत की इस कवायद के बाद पाकिस्तान के अलग-थलग पड़ने की रफ्तार और तेज होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि कम से कम अब वह इस हकीकत को समझने और स्वीकार करने को तैयार हो कि आतंक को शह और संरक्षण देकर उसने क्या गंवाया है।

आज मामूली विवाद पर मरने-मारने को उतारू हो जाते हैं लोग

कई वजह हो या फिर ऐसी बात, जिस पर गुस्सा तक नहीं होना चाहिए, उस पर भी अब लोग तुरंत इस कदर आवेश में आने लगे हैं कि देखते ही देखते वे हिंसक रूप ले लेते हैं। पिछले दिनों दिल्ली में खाना बना रहे एक मजदूर ने महज इस बात के लिए अपने एक साथी की हत्या कर दी, क्योंकि उसने सब्जी में नमक ठीक से डालने के लिए कहा था। भोजन में नमक कम या ज्यादा हो जाना क्या कोई ऐसी बात है कि जो किसी को इतना हिंसक बना दे कि वह अपने ही साथी की जान ले ले? यह गुस्सा है या मानसिक विकार? आज अधिकतर लोग आर्थिक संकट, टूटते रिश्ते, घर-दफ्तर या फिर परिवार की किसी न किसी समस्या से परेशान हैं। मगर हमने कैसा समाज बना डाला है, जहां किसी कमजोर के साथ नाइंसाफी होने, कोई अधिकार छिन जाने या फिर स्त्रियों की गरिमा के हनन होने पर तो गुस्सा नहीं आता, लेकिन जिन बातों को नजरअंदाज कर आगे बढ़ जाना चाहिए, वहां लोग मामूली विवाद पर मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। शहरों-महानगरों में सड़कों पर ऐसे दृश्य आम हैं जब बहुत छोटी बात पर भी हिंसक और जानलेवा टकराव हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह लोगों की जीवन शैली बदली है, उसका एक नकारात्मक पक्ष यह भी है। अब लोग कम समय में अधिक पाने की उम्मीद करने लगे हैं। जब यह आकांक्षा पूरी नहीं होती, तो उनमें निराशा और हताशा बढ़ने लगती है। इसी के साथ उनमें आया चिड़चिड़ापन कब गुस्से में बदल जाता है, इसका पता भी नहीं चलता। वहीं लोगों के बीच बेतहाशा प्रतिद्वंद्विता भी देखी जाने लगी है। जब किसी को मन मुताबिक चीजें नहीं मिलतीं, तो इसे लेकर मन में बनी गांठ में गुस्सा पलने लगता है जो कभी भी फूट पड़ता है। पहले कोई झगड़ा होता था, तो लोग धीरज से काम लेते थे और मिल-बैठ कर सुलझा लेते थे। जिंदगी की कई मुश्किलों को हल करने का यही एक आसान तरीका था। मगर टीवी और मोबाइल पर लगातार परोसी जा रही नकारात्मक सामग्री के असर से और दूसरी समाज मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों की वजह से एक ऐसी पीढ़ी तैयार हुई है जो सहसा हिंसक हो उठती है। जबकि धैर्य और विवेक मनुष्यता के सबसे बड़े गुण हैं और इसे ही लोग खो रहे हैं।

आज का कार्टून

पाकिस्तान को भारत विरोधी नीति को छोड़ना ही होगा

वैश्विक आर्थिक आंकड़ों के अनुसार, दिसम्बर 2024 माह तक पाकिस्तान पर 13,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बाहरी संस्थानों एवं अन्य देशों का ऋण है। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच पाकिस्तान सरकार को अपने बजट में रक्षा खर्च को 18 प्रतिशत बढ़ाकर 2.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए के स्तर पर लाना पड़ा है। यह निश्चित ही पाकिस्तानी नागरिकों के साथ अन्याय है क्योंकि अन्यथा यह भारी भरकम राशि उनके जीवन स्तर को सुधारने पर खर्च की जा सकती थी। हाल ही में पाकिस्तान द्वारा भारत के विरुद्ध छेड़े गए युद्ध के बाद भारत ने 23 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान के खिलाफ कई निर्णय लिए हैं, जिनमें सिंधु जल संधि को निलम्बित करना, अटारी बॉर्डर को बंद करना, राजनयिक संबंधों को कम करना, पाकिस्तानी विमानों को भारतीय सीमा के ऊपर उड़ने की अनुमति रद्द करना एवं तीसरे देशों के माध्यम से होने वाले व्यापार समेत पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार का व्यापार निलंबित करना आदि कदम शामिल है।

प्रह्लाद सबनानी

पाकिस्तान के जन्म के साथ ही वहां के राष्ट्रीय दलों एवं नेताओं ने भारत विरोध को अपनी अधिकारिक नीति बना लिया था। पाकिस्तान के आर्थिक विकास पर ध्यान नहीं देते हुए, किसी भी प्रकार भारत के हितों को क्षति पहुंचाई जाए, इस बात पर अधिक ध्यान दिया गया। भारत को हानि पहुंचाने के उद्देश्य से पाकिस्तान द्वारा कई आतंकवादी संगठन खड़े किए जाते रहे एवं इन संगठनों के आतंकवादी सदस्यों को भारत भेजा जाता रहा। भारत, हालांकि पाकिस्तान द्वारा भारत में भेजे गए इन आतंकवादीयों को मौत के घाट उतारने में लगातार सफल होता रहा, परंतु, कुछ अवसरों पर इन आतंकवादीयों को भी भारत में अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने में सफलता हासिल होती रही। वैश्विक मंचों पर भी पाकिस्तान भारत पर निराधार आरोप लगाकर भारत को बदनाम करने के लगातार प्रयास करता रहा है। भारत के इस अंधे विरोध के चलते पाकिस्तान की आर्थिक प्रगति पूर्णतः बाधित हुई है। भारत और पाकिस्तान वर्ष 1947 में एक साथ राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करते हुए आगे बढ़े थे। परंतु, आज पूरे विश्व में भारत एक महाशक्ति बन गया है जबकि पाकिस्तान लगातार केवल आतंकवादी संगठनों की स्थापना करते हुए आज विश्व में आतंकवादी पैदा करने की सबसे बड़ी फैक्टरी बन गया है तथा आर्थिक प्रगति के मामले में तो एकदम पिछड़ गया है।

आज भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.19 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है और भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है जबकि पाकिस्तान का सकल घरेलू उत्पाद केवल 37,900 करोड़ रुपए का ही है। भारत में प्रति व्यक्ति आय 11,110 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है जबकि पाकिस्तान में प्रति व्यक्ति आय 6,720 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है, अर्थात भारत की तुलना में लगभग आधी, जबकि भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है तो वहीं पाकिस्तान की जनसंख्या केवल लगभग 25 करोड़ ही है। इसी प्रकार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है, जो कि संभवतः इस वर्ष एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर को भी पार कर सकता है। वहीं, पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार केवल 1,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही है। पाकिस्तान पूरे विश्व में विभिन्न वित्तीय संस्थानों एवं देशों से सबसे अधिक बार ऋण लाने वाले एवं आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले देशों की सूची में प्रथम स्थान पर काबिज है। अभी भी, पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मोनेटरी फंड से 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लेने का प्रयास कर रहा है। जबकि भारत अन्य देशों को ऋण प्रदान करने की स्थिति में पहुंच गया है। वित्तीय वर्ष 2022 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2023 में 7.6 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2024 में 9.2 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025 में 6.5 प्रतिशत की रही है। इसके विपरीत पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2022 में 6.2 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2023 में ऋणात्मक 0.2 प्रतिशत, वित्तीय वर्ष 2024 में 2.5 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025 में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। जबकि, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद के आकार का 11 गुणा से भी

अधिक है। भारत के बड़े आकार के सकल घरेलू उत्पाद पर वृद्धि दर भी अधिक है और पाकिस्तान के छोटे आकार के सकल घरेलू उत्पाद पर वृद्धि दर भी कम है। इससे तो भविष्य में पाकिस्तान, भारत की तुलना में और अधिक पिछड़ता जाएगा। भारत में केंद्र सरकार का वित्तीय बजट प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहता है जबकि पाकिस्तान का वित्तीय बजट केवल 5.65 लाख करोड़ भारतीय रुपए (पाकिस्तानी रुपए में 18.9 लाख करोड़ रुपए) का ही रहता है। भारत का वार्षिक वित्तीय बजट पाकिस्तान के वार्षिक वित्तीय बजट से लगभग 10 गुणा है। पाकिस्तान के वार्षिक बजट के आकार से अधिक आकार का बजट तो भारत में अकेले उत्तर प्रदेश राज्य का ही है। भारत में केंद्र सरकार के उपक्रम एवं अन्य उपक्रम केंद्र सरकार को लाखों करोड़ रुपए की राशि डिवीडेंड के रूप में उपलब्ध करा रहे हैं। इस वर्ष, अकेले भारतीय रिजर्व बैंक ही 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराने जा रहा है। अकेले वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण ही लगभग 2.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है। भारत में अप्रेल 2025 माह में 2.37 लाख करोड़ रुपए का वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण हुआ है। रक्षा के क्षेत्र में भी भारत आज पूरे विश्व में एक सक्षम एवं अनुशासित महाशक्ति बन चुका है। अतः पाकिस्तान को भारत से लड़ाई करने का विचार ही अपने मन से निकाल देना चाहिए, इसी में पाकिस्तान के आम नागरिकों की भी भलाई है। कुछ समाचारों के अनुसार, दिनांक 8 मई 2025 की रात्रि में पाकिस्तान ने लगभग 200 मिसाईल एवं ड्रोन भारत के विभिन्न शहरों पर दागे थे, परंतु इनमें से शायद एक भी ड्रोन पाकिस्तान द्वारा तय किए गए अपने ठिकाने पर नहीं पहुंच सका और भारतीय सेना ने इन मिसाइल एवं ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। जबकि, भारत ने जितने भी मिसाईल एवं ड्रोन पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के अड्डों पर दागे, इन लगभग सभी ने ही अपने निशाने पर सटीक रूप से पहुंच कर उन ठिकानों को तबाह किया है। अतः पाकिस्तान के नागरिकों को भी अब इस बात पर विचार करना चाहिए कि पड़ौसियों के साथ मित्रवत होकर रहने में ही दोनों देशों की भलाई है। पाकिस्तान यदि भारत से युद्ध करेगा तो उसे निश्चित ही मुंह की खानी पड़ेगी, जैसा कि अभी की परिस्थितियों की बीच होता हुआ दिखाई भी दे रहा है।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों ने पाकिस्तान को भारत के साथ युद्ध से बचने की सलाह दी है क्योंकि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पहिले से ही जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है एवं पाकिस्तान पर आज कर्ज का भारी भरकम बोझ इतना अधिक है कि भारत के साथ युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान एक हफ्ता भर भी भारत के सामने युद्ध में नहीं टिक पाएगा। वैश्विक आर्थिक आंकड़ों के अनुसार, दिसम्बर 2024 माह तक पाकिस्तान पर 13,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बाहरी संस्थानों एवं अन्य देशों का ऋण है। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच पाकिस्तान सरकार को अपने बजट में रक्षा खर्च को 18 प्रतिशत बढ़ाकर 2.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए के स्तर पर लाना पड़ा है। यह निश्चित ही पाकिस्तानी नागरिकों के साथ अन्याय है क्योंकि अन्यथा यह भारी भरकम राशि उनके जीवन स्तर को सुधारने पर खर्च की जा सकती थी। हाल ही में पाकिस्तान द्वारा भारत के विरुद्ध छेड़े गए युद्ध के बाद भारत ने 23 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान के खिलाफ कई निर्णय लिए हैं, जिनमें सिंधु जल संधि को निलम्बित करना, अटारी बॉर्डर को बंद करना, राजनयिक संबंधों को कम करना, पाकिस्तानी विमानों को भारतीय सीमा के ऊपर उड़ने की अनुमति रद्द करना एवं तीसरे देशों के माध्यम से होने वाले व्यापार समेत पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार का व्यापार निलंबित करना आदि कदम शामिल है। इन सभी निर्णयों का प्रभाव निश्चित ही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को और अधिक विपरीत रूप से प्रभावित करेगा एवं पाकिस्तान के नागरिकों के लिए और अधिक समस्याएं खड़ी करेगा। भारत में उत्पन्न विभिन्न धर्मों के अनुयाई नागरिक सामान्यतः अत्यधिक शांतिपूर्ण तरीके से रहते आए हैं। भारत के अति प्राचीन काल के इतिहास से लेकर आज तक इस तरह की घटनाओं का वर्णन बिलकुल नहीं मिलता है कि भारत ने कभी भी विस्तारवादी नीति के तहत किसी अन्य राष्ट्र पर आक्रमण किया हो। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान ने अपने जन्म से ही आक्रामक नीति अपनाते हुए भारत विरोध को अपनी राष्ट्रीय नीति के रूप में चुना इससे पाकिस्तान के राजनैतिक दलों एवं नेताओं ने पाकिस्तान के आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य करने के बजाय भारत को परेशान करने के उद्देश्य से अधिक से अधिक आतंकवादी पैदा करने की नीति का अनुसरण किया। परंतु, आज समय आ गया है कि पाकिस्तानी नागरिकों को जागरूक होकर वहां के राजनैतिक दलों एवं नेताओं पर दबाव बनाना चाहिए ताकि वे उनके हितों को ध्यान में रखते हुए देश की आर्थिक प्रगति की ओर विशेष ध्यान दें। जिससे, पाकिस्तान के आम नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार कर उसे ऊपर लाया जा सके।

सामाजिक संरचना का आधार बनती हैं मनुष्यता...

भावनाओं को समझना हमें हमारी वास्तविक आत्मा से जोड़ता है। जब हम सहानुभूति के साथ दूसरों की पीड़ा और आनंद को साझा करते हैं, तो हमारे भीतर भी सुख और संतोष की अनुभूति होती है। सांसारिक यात्रा का हमारा ध्येय मात्र अपनी जरूरतों को पूरा करना भर नहीं है, वह हर जीव जंतु करता है। मनुष्यता में दूसरों के प्रति परोपकार और सहानुभूति की भावना सामाजिक संरचना का आधार बनती हैं। समाज में एक दूसरे पर निर्भरता के तथ्य को समझकर स्वयं के भीतर प्रेम, दया और करुणा जैसे मानवीय गुणों को विकसित करना ही नहीं है, बल्कि उन्हें संरक्षित कर, उनका संवर्धन करना और भावी पीढ़ियों को इसका स्थानांतरण करना भी महत्त्वपूर्ण दायित्व है।

राजेंद्र कुमार शर्मा

अनुभूति और सहानुभूति दोनों ही दूसरों की भावनाओं को समझने से जुड़ी मानवीय भावनाएं हैं, लेकिन इन दोनों में निहित भावनाओं को समझने में हम असमर्थ और असहाय महसूस करते हैं। अनुभूति का अर्थ है किसी अन्य व्यक्ति की भावनाओं को स्वयं अनुभव करना, जैसे कि हम खुद उसी स्थिति में हों। अगर हमारे किसी मित्र के किसी बहुत प्रिय स्वजन की मृत्यु हो जाती है और वह बहुत दुखी है, तो हम उसकी स्थिति को समझते हुए यह महसूस करते हैं कि अगर हम उसकी जगह होते तो हमें कैसा लगता? यहां हम उसके भावनात्मक दर्द को महसूस कर रहे हैं। सहानुभूति में हम किसी व्यक्ति की पीड़ा या दुख को देखकर उसके प्रति दया या चिंता प्रकट करते हैं, बिना उसकी भावनाओं को खुद महसूस किए। मित्र के स्वजन की मृत्यु होने पर हम कहते हैं कि 'मुझे दुख है, भगवान सब ठीक करेगा।' यहां हम उसकी भावनाओं को समझते तो हैं, लेकिन उन्हें महसूस नहीं कर रहे।

आमतौर पर सहानुभूति एक मानवीय प्रतिक्रिया है जो भावनाओं को व्यक्त करने का एक माध्यम है। इसे हम एक मानवीय सद्गुण की संज्ञा दे सकते हैं। एक समय था जब लोग विभिन्न पीढ़ियों, समुदायों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों में समानता देखते थे। हमारे धर्म ग्रंथों

और शास्त्रों में वर्णित हैं कि हमारे आत्म की सीमाएं वास्तव में कोई बाहरी शक्ति तय नहीं करती, यह सीमाएं अक्सर हम खुद ही तय करते हैं। हमारे डर, विश्वास, अनुभव, सामाजिक मर्यादाएं और आत्म-संकोच मिलकर हमारी 'सीमाएं' बनाते हैं। लेकिन अगर गहराई से देखें, तो आत्मा (या आत्म) की कोई सीमा नहीं होती। वह चेतना, ऊर्जा और असीम संभावनाओं का स्रोत है। आत्म का स्वभाव तो अविनाशी, निडर और विस्तारित होना है। इसलिए सही मायनों में इसकी सीमाएं कोई तय नहीं करता। जब हम स्वयं को पहचान लेते हैं, तब सारी सीमाएं टूटने लगती हैं। कुछ शास्त्रों में उल्लेख है कि हमारी आत्मा की सीमाएं केवल हमारे अहंकार और पूर्वाग्रहों द्वारा तय की जाती हैं। पूरा जीव-जगत दुख और हर्ष जैसे प्राकृतिक गुणों के प्रति संवेदनशील होता है और यही संवेदनशीलता प्रगाढ़ संबंधों और सार्थक संवाद का आधार बनती है, लेकिन वर्तमान समय में प्रतिदिन होने वाले अपराध, हत्याएं, रक्तपात और चलचित्रों में दिखाए जाने वाले हिंसा से भरे दृश्यों ने संवेदना और सहानुभूति जैसे मानवीय और सामाजिक गुणों को क्षीण किया है। इसका परिणाम है सहानुभूति की कमी। व्यक्ति आत्मकेंद्रित हो चुका है। व्यक्तित्व और सामाजिक मनोविज्ञान समीक्षा का अध्ययन बताता है कि लोगों में दूसरे के दुख में दुखी होने की भावना तीव्रता से क्षीण हो रही है।

वर्तमान में हम सिर्फ स्वयं की चिंता करते हैं, स्वयं का अहंकार सर्वोपरि है और दुनिया, समाज की चिंताओं को हमने भुला दिया है। मानवीय व्यक्तित्व में ऐसे गुणों का समावेश व्यक्तिगत संबंधों पर प्रहार के समान है। वैश्विक स्तर पर व्यक्ति पर्यावरण, ऊंच-नीच, 'डिजिट अरेस्ट' और साइबर अपराध जैसे मुद्दों का सामना कर रहा है, जिनका हल सहानुभूति जैसे मानवीय गुणों से संभव हो सकता है, लेकिन अगर समाज आत्म-केंद्रितता और उदासीनता से भर जाए, तो इन समस्याओं को हल करना मुश्किल हो जाएगा। बाइबल में वर्णित है कि यीशु का सभी मनुष्यों के प्रति गहरा प्रेम और चिंता उनकी सांसारिक सेवा के दौरान व्यक्त हुई। उन्होंने कई चमत्कारी कार्यों में अपनी सहानुभूति का हृदय प्रकट किया। वे जीवन के सभी क्षेत्रों से पीड़ित और पीड़ित लोगों से वास्तव में जुड़े। बाइबल में ऐसे अनगिनत उदाहरण बताए गए हैं, जिनसे यीशु ने सहानुभूति का उपहार दिया। हमें सहानुभूति और प्रेम की गहरी भावना को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका यह है कि हम स्वयं को दूसरों के दृष्टिकोण से दुनिया को देखने का अवसर दें। आज हमारी अवैयक्तिक दुनिया में सहानुभूति बहुत कम देखने को मिलती है। यह एक ऐसा गुण है जो जब प्रदर्शित होता है तो इसकी दुर्लभता के कारण ध्यान आकर्षित करता है। एक ऐसा गुण, जो इसे प्राप्त करने वालों के लिए एक उपहार है। कहा जाता है कि सभी ब्रह्मांडों का उदय एक ध्वनि, एक नाद, एक लोगोस या एक 'शब्द' से हुआ है। यह 'शब्द' तब भी था, जब कुछ नहीं था और यह तब भी रहेगा, जब कुछ नहीं होगा। यानी एक निराकार सत्ता का ही अस्तित्व सदैव रहा है। जल, आकाश, अग्नि, वायु और पृथ्वी सभी उसी के अस्तित्व से हैं। इसी प्रकार, हम सभी उसी अस्तित्व का हिस्सा हैं और इसलिए हमारी परस्पर जुड़ाव की भावना स्वाभाविक है। भावनाओं को समझना हमें हमारी वास्तविक आत्मा से जोड़ता है। जब हम सहानुभूति के साथ दूसरों की पीड़ा और आनंद को साझा करते हैं, तो हमारे भीतर भी सुख और संतोष की अनुभूति होती है। सांसारिक यात्रा का हमारा ध्येय मात्र अपनी जरूरतों को पूरा करना भर नहीं है, वह हर जीव जंतु करता है। मनुष्यता में दूसरों के प्रति परोपकार और सहानुभूति की भावना सामाजिक संरचना का आधार बनती हैं। समाज में एक दूसरे पर निर्भरता के तथ्य को समझकर स्वयं के भीतर प्रेम, दया और करुणा जैसे मानवीय गुणों को विकसित करना ही नहीं है, बल्कि उन्हें संरक्षित कर, उनका संवर्धन करना और भावी पीढ़ियों को इसका स्थानांतरण करना भी महत्त्वपूर्ण दायित्व है। दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा की भावना दूसरों से जोड़ने के साथ ही आत्मा और चेतना से हमारा साक्षात्कार भी करवाती है।

नीम लेपित यूरिया एक गुणवता वर्दित उत्पाद एवं सही फसल पोषण

किरण यादव व एम. के. यादव शस्य विज्ञान विभाग, राजस्थान कृषि महाविधालय उदयपुर राजस्थान

यूरिया

आज 80: से भी अधिक नाइट्रोजन फसलो को यूरिया के माध्यम से ही प्राप्त होती है द्य इसलिए यूरिया उत्पाद की जानकारी रखना अतिआवश्यक है द्य यूरिया (NH2-CO-NH2)एक सिंथेटिक ए आर्गेनिक कार्बन मिश्रण हैद्य जिसमे 46.6 % नाइट्रोजन होती हैद्य नाइट्रोजन के अतरिक्त इसमें 20 % कार्बनए 26ण्7 % ऑक्सीजन तथा 6.7% हाइड्रोजन होती है द्य मिट्टी में सभी नाइट्रोजनजनित उर्वरको से नाइट्रोजन की बढ़ी हानि का कारण नाइट्रीफाइग बैक्टीरिया है जो अमोनिकल नाइट्रोजन को नाइट्रेट नाइट्रोजन में रूपान्तरित करता है द्य

नीम

नीम का पेड़ (Azadirachta indica) प्राचीन समय से ही किसानो का सच्चा मित्र रहा है जो कि पूरे भारत में पाया जाता है और 4000 वर्ष अर्थात वैदिक युग से ही इसके वाणिज्यिक उपयोग की जानकारी मिलती है द्य नीम अपनी कड़वाहट के लिए जाना जाता है और इसके प्रत्येक भाग में तीक्ष्ण स्वाद होता है द्य इसके बीजोए पत्तोंए छालए जड़ो से बनने वाले इसके उत्पाद बैक्टीरियानाशक, फफूंदीनाशक, कीटनाशक पशुरोधी दवाओं के रूप में इसके रासायनिक उपयोग के लिए प्रसिध्द है

नीम लेपित यूरिया

नीम लेपित यूरिया का निर्माण आसानी से उपलब्ध दो उत्तम चीजों का इस्तेमाल करके किया जाता है प्रथम वायु तथा प्राकर्तिक गैस से तकनीक दवारा तथा दूसरा दैविक रूप से उपलब्ध नीम के पेड़ से यूरिया का निर्माण किया जाता है द्य नीम में नाइट्रीकृत निषेध गुण प्रमाणित है और इसके उपयोग से यूरिया से नाइट्रोजन छोड़ने की गति धीमी होती है तथा इस प्रकार नाइट्रोजन लम्बे समय तक उपलब्ध रहता है जिससे नाइट्रोजन की कम से कम हानि होती है जिसके फलस्वरूप इसके दक्ष उपयोग में वृद्धि होती है द्य संयंत्रो में निर्माण प्रक्रिया के दौरान प्रिल्ड यूरिया पर समान रूप से नीम तेल का लेप करके नीम लेपित यूरिया तैयार किया जाता है।

नीम लेपित यूरिया में गुणवत्ता वर्धन

यूरिया जो कि आज विश्व में नाइट्रोजन का प्रमुख स्त्रोत हैए पर नीम तेल को लेपित करके और उन्नत किया जाता है ताकि इसे एक सम्पूर्ण नाइट्रोजनित उर्वरक बनाया जा सके द्य इसमें निम्नलिखित गुणवत्ता वर्धन किये गये है रू

1ण्आद्रताग्राहता को कम करना रू. प्रिल्ड यूरिया की तुलना में नीम लेपित यूरिया कम आद्रताग्राही है द्य अतरू बोरो में इसके ढ़ेले बनने के अवसर कम होते है द्य

2ण्घुलनशीलता में कमी रू नीम लेपित यूरिया प्रिल्ड यूरिया की तुलना में थोडा कम घुलनशील है द्य अतरू खेत में अधिक नमी अथवा वर्षा के दौरान इसके जमीन में चले जाने की संभावना ;लीचिंग लोसद्ध कम होती है द्य

3ण्वाष्पशीलता में कमी रू प्रिल्ड यूरिया पर नीम के तेल को लेपित करने के कारण सीधे धूप पड़ने से होने वाष्पशीलता की हानि कम हो जाती है द्य

4.नाइट्रेटलीचिंग में कमी रू मिट्टी में विधमान नाइट्रीकृ बैक्टीरिया अमोनिकल नाइट्रोजन को नाइट्रेट नाइट्रोजन में बदल देता है जो की पानी में अत्यधिक घुलनशील है और वह मिट्टी की गहराई में चला जाता है जो फसल की जड़ो की पहुँच से दूर हो जाता है द्य नीम लेपित यूरिया इस बैक्टीरिया को नष्टक्र देता है और नाइट्रेट बनने पर नियंत्रण रहता हैए इस प्रकार नाइट्रेट की कोई हानि नही होती ।

5.विनिट्रीकरण में कमी रू पानी के निकास की कम व्यवस्था और वायु संचार परिस्थिति विशेषकर धान की फसल में नाइट्रेट नाइट्रोजनए नाइट्रोजन गैस बन जाता है और वायुमंडल में चला जाता है जब नीम लेपित यूरिया का उपयोग किया जाता है तो नाइट्रेट या तो बनता ही नही या बहुत कम बनता है इस प्रकार विनाइट्रीकरण हानि की संभावना बहुत कम होती है।

6. पाउडर की मात्रा में कमी रू. प्रिल्ड यूरिया के उत्पादनए परिवहन और हैंडलिंग के समय इसका पाउडर बनता है एफसीओ के तहत 20 प्रतिशत तक पाउडर बनने की अनुमति है परन्तु पाउडर का वजन हल्का होने के कारण खेत में इसका छिड़काव करते समय यह सामान्यत हवा से उड़ जाता है द्य इस प्रकार यूरिया की बर्बादी होती है अथवा इसका नत्रजन उपयोग क्षमता घट जाती है नीम तेल का लेप होने से नीम लेपित यूरिया के दानो में घर्षण कम होता है और कम पाउडर बनता है जिससे नाइट्रोजन उपयोग क्षमता बढ़ जाती है

पड्ढमडटर(भडरडवडरक्ष	तटल्डयद्दरयड	नडमलद्भपतयद्दरयड
1. नमअ्रा (%अइधकतम	1.0	1.0
2. क्षअ्रा नआइओआ(अन्यअ्रातम)	46.0	40.0
3. ब्यअ्रअ्रा) (%अइधकतम	1.5	1.5
4. दआनअ्रअ्रअ्राकअ्रा <2.8 एमएम >1 एमएम	90% 80%	90% 80%
5. बअ्रअ्रासआल्अ्रल कअ्रअ्रास) (% न्यअ्रातम	-	0.035

नीम लेपित यूरिया की कार्य विधि

नीम लेपित यूरिया के उत्पादन की क्रिया के दौरान प्रिल्ड यूरिया पर नीम तेल का लेप किया जाता है ताकि इससे नाइट्रीकृत बैक्टीरिया नष्ट किया जा सके जो की मिट्टी में अमोनिकल नाइट्रोजन को नाइट्रेट नाइट्रोजन में बदलने का काम करता है द्य इस प्रकार यूरिया में नाइट्रेट या तो नगण्य मात्रा में रहती हे या बिल्कुल नही रहती और अमोनिकल नाइट्रोजन मिट्टी कोलाइड्स में मिल जाती हे और वहा से पोधे आसानी से ले लेते है

अलेपित प्रिल्ड यूरिया का प्रयोग करने से बड़ी मात्रा में नाइट्रेट नाइट्रोजन बनता है और मिट्टी में विशेषकर धान के खेत में गहराई में चला जाता है तथा जहा मिट्टी में नमी और उसे वायु में मिलने से रोक पाना कठिन हो जाता है इस प्रकार नीम लेपित यूरिया बड़ी मात्रा में नाइट्रोजन की हानि से बचाता है और लम्बे समय तक नाइट्रोजन उपलब्ध कराता है द्य परिणामस्वरूप नाइट्रोजन उपयोग क्षमता और फसल उत्पादन में वृद्धि होती है

नीम लेपित यूरिया के लाभ

नाइट्रोजन उपयोग क्षमता में सुधार लेन की द्रष्टि से नीम लेपित यूरिया का निर्माण किया जाता है और परिणामस्वरूप फसल उत्पादन विशेषकर धान की फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है जिसमे नत्रजन उपयोग क्षमता 30 प्रतिशत और गेंहू में नत्रजन उपयोग क्षमता लगभग 50 प्रतिशत तक होती है नीम तेल का लेप यूरिया के ढ़ेले बनने से रोकता है और परिवहन तथा हैंडलिंग के दौरान यूरिया के पाउडर बनने के अवसर कम होते है द्य नीम लेपित यूरिया का उपयोग खेत में हानिकारक कीटो और जंगली जानवरों को अपनी गंध से दूर रखता है द्य नत्रजन उपयोग क्षमता बढने का स्तर इस बात पर निर्भर करता है की नीम लेपित यूरिया के साथ निम्नलिखित कृषि पदतियो का कितनी दक्षता से पालन किया जाता है

- फसल की जरूरत के अनुसार नीम लेपित यूरिया का दो अथवा उससे अधिक छिड़काव
- मिट्टी में नमी उचित मात्रा में हो तभी छिड़काव किया जाए द्य अधिक नमी वाली फसलों जैसे धान में शाम के समय नीम लेपित यूरिया का छिडकाव करने से पहले खड़े पानी को निकल दिया जाए और प्रातरू के समय खेत में पानी के न्यूनतम स्तर तक पुनः सिंचाई की जाए
- कम नमी वाली फसलो जैसे गेंहू में हल्की मिट्टी के मामले में हल्की सिंचाई के बाद यूरिया का छिडकाव किया जाए जबकि भारी मिट्टी में हल्की सिंचाई से पहले भी इसका छिड़काव किया जा सकता है
- शाम के समय जब हवा मिट्टी का तापमान कम हो तब यूरिया का छिड़काव किया जाए द्य इससे यूरिया से अमोनिया के वाष्पशीलता के अवसर कम हो जाते है
- ड्रिप सिंचाई के माध्यम से यूरिया डाला जाए क्योंकि इससे जड़ो को यूरिया सीधे ही मिलेगा और हानि के अवसर कम होंगे
- नाइट्रोजन की कमी दिखाई पड़ने पर अथवा पानी की आपूर्ति कम होने पर यूरिया का पर्णीय छिड़काव करे
- मिट्टी में उचित नमी और वायु संचार बनाये रखे
- मुख्य तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के लिए मिट्टी की जाँच करने के बाद ही उर्वरक डाला जाए
- फॉस्फोरस और पोटेशियम के साथ संतुलन बनाकर नाइट्रोजन का उपयोग किया जाए
- आधारीये खुराक के रूप में कम्पोस्ट का उपयोग किया जाए तो मिट्टी में पौधे के पोषक तत्व के भंडार के रूप में कार्य करता है इससे पोषक तत्व उपयोग क्षमता कई गुना बढ़ेगी और पोषक तत्वों की कम हानि होगी
- अनुशंसित विधियों के अनुसार फसलो की अनुकूल किस्मे उगायें

नीम लेपित यूरिया प्रयोग से आर्थिक लाभ

- नीम लेपित यूरिया की लागत प्रिल्ड यूरिया की तुलना में 5: प्रतिशत अधिक है
- नीम लेपित यूरिया प्रयोग करने से नाइट्रोजन उपयोग क्षमता में 10.15: की कम से कम व्रद्धी का अनुमान लगाया जाता है द्य इसका अर्थ है की नीम लेपित यूरिया का प्रयोग करने से किसान की यूरिया लागत में कम से कम 10.15: की बचत होती है अर्थात यूरिया आदान लागत में 5.10: का निवल लाभ होता है
- आमतौर पर यह पाया गया है की नीम लेपित यूरिया प्रयोग से 5.10: फसल की उपज में वृधि होती है क्योंकि नीम लेपित यूरिया धीमी गति से नाइट्रोजन छोड़ता है द्य फलस्वरूप पौधे की पूरी विकास अवधि के दौरान नाइट्रोजन उपलब्ध रहती है द्य इससे किसान को अतिरिक्त उपज तथा आय मिलती है
- भारतीय किसान 300 लाख मीण्टन यूरिया की खपत करते है और 10: न्यूनतम बचत का अर्थ है 30 लाख मीण्टन यूरिया की कम खपत द्य इस प्रकारए यूरिया आयात में भारी कमी होगी जिससे राष्ट्रीय राजस्व में भारी बचत होगी
- नाइट्रोजन उपयोग क्षमता में वृद्धी का अर्थ है नाइट्रेट से भूतल जल प्रदूषण में कमी तथा अमोनिया गैस से वायु प्रदूषण में कमी होगी द्य प्राकृतिक गैस की खपत में बचत होगी जिसका विधुत उत्पादन आदि में प्रयोग किया जा सकता है

पशुओं को कैसे बचाएं खुरपका मुंहपका से

यह रोग विषाणु से होने वाला अत्यंत संक्रामक रोग है। यह रोग फटे खुर वाले पशुओं में होता है। इस रोग को विभिन्न जगहों पर अलग अलग नाम से जाना जाता है। खुसीरा, खुरा, खुर पका इत्यादि। सामान्यतः यह रोग गाय, भैंस, बकरी, भेंड एवं सूकर पशुओं में होता है। इस रोग से काफी संख्या में छोटी उम्र के पशु मर सकते हैं। किंतु व्यस्क पशुओं में इस रोग के कारण मृत्यु दर 5 प्रतिशत अथवा इससे भी कम होती है। यह रोग बहुत तेजी से फैलने वाला रोग है तथा कभी-कभी यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

फैलने के कारण

- रोगी पशु की लार, दूषित चारे, पानी, दूध गोबर एवं पेशाब से
- ग्वाले एवं हवा के माध्यम से, एक से दूसरे पशु में।
- रोग से संक्रमित स्थान से पशु क्रय करके लाने पर।
- रोगी पशु से सीधे सम्पर्क से
- इस रोग के विषाणु रोगी पशु के फैफड़ों के सूख जाने के बाद घास या चारागाह में गिर जाते हैं, जब इस संक्रमित घास को स्वस्थ पशु खाता है, तो स्वस्थ पशु में यह रोग फैल जाता है।

लक्षण

- प्रारंभिक अवस्था में पशु सुस्त होता हैं। द्य चारा खाना कम कर देता है।
- दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है। द्य पशु को बहुत तेज बुखार आ जाता है। (106 फारेनहाइट तक)
- एक दो दिन के बाद मुंह तथा पैर में छाले पड़ जाते हैं।
- मुंह में छाले होने से लार टपकने लगती है।
- रोगी पशु लंगडाने लगता है, कभी-कभी घाव में छाले में कीड़े पड़ जाते हैं।
- कभी-कभी पशु के थन पर छाले पड़ जाते हैं जिससे थनैला रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। द्य छालों के फूटने से घाव भी बन जाते हैं।

उपचार

खुर पका- मुंह पका रोग विषाणु जनित रोग है। अतः इस रोग का कोई सीधा उपचार नहीं होता है। एक बार रोग हो जाने पर केवल लक्षणों के आधार पर उपचार किया जाता है। इस रोग में रोगी पशु की प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने से पशु में अन्य रोगों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जिसके बचाव के लिए उपचार किया जाता है।

उपचार के निम्न बिन्दु हैं-

- रोगी पशु के मुंह तथा पैर के घावों को लाल दवा (पोटेशियम परमेंगनेट) से प्रतिदिन सुबह और शाम सफाई करें।
- पैर के घावों में यदि कीड़े पड़ गये हैं, तो फिनायल में मीठा तेल मिलाकर (1:1) उस घोल में सूती कपड़े को भिगोकर घाव में भर दें। जिससे कीड़े बाहर आ जायेंगे। इसके अलावा तारपीन का तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।
- रोग की तीव्रता बढ़ने पर पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें।

रोकथाम-विषाणु जनित रोग होने से इस रोग का उपचार संभव नहीं है अतः हमें ज्यादा इस रोग की रोकथाम पर ध्यान देना चाहिए। जिससे कि यह रोग रोगी पशु से स्वस्थ में न फैले। रोग की रोकथाम निम्नानुसार करें।

- रोगी पशु को अन्य स्वस्थ पशु से अलग रखे।
- रोगी पशु को नदी, तालाब, पोखर आदि में पानी पीने नहीं दें, रोगी पशु की खान-पान की व्यवस्था अलग करें।
- बीमार पशुओं का इलाज करायें एवं स्वस्थ पशुओं को टीकाकरण करायें।
- रोगी पशुओं के बाड़ें में पशुपालक अलग कपड़ों व जूतों का प्रयोग करें एवं बाहर आने पर हाथ-पैर धोकर कपड़े व जूते बदल लें।
- मृत पशुओं के शव को गहरा गड्ढा खोदकर उसमें नमक व चूना डालकर दफनाना चाहिए अथवा जला दें।
- निकट के पशु चिकित्सक को रोग की सूचना दें।
- इस रोग के बचाव के लिए टीकाकरण अवश्य करा। एक खुर पका मुह पका रोग का टीका साल में दो बार मई-जून तथा अक्टूबर -नवम्बर में लगवायें।

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

भूमि

टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

खेत की तैयारी

प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

उन्नतशील किस्में

पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

बीज दरः- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

संकर- 100 ग्राम / हेक्टेयर

पौध तैयार करना (नर्सरी):-वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

बीजोपचार :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

बुआई का समय :- खरीफ- जून-जुलाई,

शीत -अक्टूबर- नवम्बर

रोपण :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई कर... चाहिए। एक स्थान पर एक ह... पौधा लगाएं।

पौध अन्तरणः- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

उर्वरक की मात्रा :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

सिंचाई :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

निंदाई गुड़ाई :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

वृद्धि नियामकों का प्रयोग

वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

सहारा देना

ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

फलों की तुड़ाई

टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

कच्चे या हरे फल

टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूरस्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

गुलाबी या हल्के लाल फल

टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

पके हुए टमाटर :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

अधिक पके टमाटर :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

फिल्म थिएटर में चले या ओटीटी पर, एक्टर की जिम्मेदारी सिर्फ अच्छी एक्टिंग है

मैं एक छोटे से गांव से आया हूं और तमाम संघर्षों के बाद जब बॉलीवुड ने मुझे अपनाया, तो वह मेरी सोच, मेरी उम्मीदों और शायद मेरी औकात से भी बहुत ज्यादा था। यह सफर अब लंबा हो चुका है। मगर इतने सारे काम और मेरी फिल्मों को मिलने वाली तमाम तारीफ का श्रेय मैं संघर्षों के उन्हीं दिनों को दूंगा, जिन्होंने मुझे भीतर से मजबूत बनाया। मुश्किलों के दिन ही आपकी जिंदगी की कहानी बनते हैं। तो इन दिनों में हार मानने से बेहतर है, जीत जाने की उम्मीद को यह सोचकर जिंदा रखें कि आप एक बेहतर लाइफ जर्नी के दौर में हैं। यह बात मांझी द माउंटेन मैन, सीक्रेट गेम्स, गैंग्स ऑफ वासेपुर और तलाश जैसी फिल्में करने वाले अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने।

स्क्रिप्ट दूसरी बार पढ़ना पड़े तो सोच लेता हूं, कहानी मेरे लायक नहीं...

आप ओटीटी प्लेटफॉर्म को कैसे देखते हैं?
शुरुआत में जब ओटीटी आया था, तो बहुत अच्छी क्वालिटी की वेबसीरीज और फिल्में आईं। इसने नए एक्टर्स और क्रिएटर्स को एक मजबूत मंच दिया। मगर, धीरे-धीरे कुछ प्रोजेक्ट्स में क्वालिटी में गिरावट देखने को मिली। फिर भी मैं इसे एक बेहतरीन माध्यम कहूंगा। इसकी वजह से उन कहानियों को प्लेटफॉर्म मिला, जिसे बड़े पर्दे पर शायद कभी मौका न मिल पाता।

किसी फिल्म स्क्रिप्ट के लिए हां कहने का निर्णय किस आधार पर लेते हैं?
मैं अक्सर स्क्रिप्ट पढ़ते वक्त बहुत सोच-विचार नहीं करता। अगर मुझे स्क्रिप्ट पढ़ते वक्त ही लग जाता है कि इसमें कुछ अच्छा और अलग है, तो मैं बिना देर किए हां कह देता हूं। अगर लगा कि प्रोजेक्ट को लेकर सोचने की जरूरत है या दूसरी बार स्क्रिप्ट की रीडिंग करनी होगी, तो तय हो जाता है कि यह कहानी मेरे लायक नहीं है। ऐसी फीलिंग आते ही जल्द से जल्द मेकर्स को मना जरूर कर देता हूं, ताकि वे आगे की प्लानिंग कर सकें।

ओटीटी की वजह से आजकल लोग थिएटर में फिल्म देखने से बचते हैं, इस ट्रेंड को कैसे देखते हैं?
ये सही है कि बहुत से लोग सोचते हैं कि अगर फिल्म ओटीटी पर आने वाली है, तो थिएटर क्यों जाएं? मुझे लगता है कि ओटीटी, थिएटर और ड्रामा... ये सभी अलग मीडियम हैं और सभी की अपनी खासियत है। एक एक्टर के रूप में मुझे फर्क नहीं पड़ता कि मेरा काम कहां देखा जा रहा है। मेरा फोकस सिर्फ इस बात पर होता है कि मैं अपनी एक्टिंग में सच्चाई और गहराई ला सकूं।

महाराज का वो सीन करने के बाद मुझे झटका लगा...

जबलपुर जैसे छोटे शहर से आकर ग्लैमर इंडस्ट्री में अपने दम पर अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार, महाराज जैसी बड़ी-बड़ी फिल्में करने वाली एक्ट्रेस शालिनी पांडे आज कई लड़कियों के लिए नजीर हैं। बचपन से ही बेबाक और बिंदास रहीं शालिनी ने हमसे एक खास बातचीत के दौरान समाज में लैंगिक गैर बराबरी, एक्ट्रेसेज के बीच कैटफाइट, सिस्टरहुड जैसे विषयों पर खुलकर चर्चा की

आपने जिस तरह जबलपुर से आकर अपने दम पर बॉलीवुड में जगह बनाई, वह लड़कियों के लिए प्रेरणा है। लड़की होने के नाते आपको समाज की कौन सी सोच परेशान करती है, जिसके खिलाफ आप लड़ी हों?
हमें रोज लड़ना पड़ता है। ऐसा कोई एक दिन नहीं होता है। मैं 21 की उम्र तक अपने घर जबलपुर में रही हूं। वहीं पढ़ी-लिखी, कॉलेज किया। वहां हर दिन मेरी एक लड़ाई होती थी, वो चाहे मेरे रिश्तेदारों से हो, किसी अजनबी से हो, कॉलेज के लोगों से हो या टीचर से और क्या होता है कि अगर छोटे शहरों में आप बेबाकी से अपनी राय रखते हैं, तो आपको एक अलग नजरिए से देखा जाता है। जब तक आप जिंदगी में कुछ कर नहीं लेते हैं, लोगों को लगता है कि आप गलत ही हैं। उनके लिए आप वो बिगड़ी हुई लड़की हैं, जो उनके बच्चों को भी बिगाड़ देगी। फिर अचानक से जैसे अब मैं उनकी नजरों में सफल हो गई हूं तो अरे, हमारी बेटी, हमारी ये-वो शुरू हो जाता है, मगर ये लड़ाई कभी खत्म नहीं होती। एक लड़की होने के नाते यह रोज का संघर्ष है।

आपने सही कहा, औरत-आदमी के बीच भेदभाव समाज का कड़वा सच है। इंडस्ट्री में भी यह मुद्दा उठता रहता है। आपकी इस बारे में क्या राय है?
एक लड़की के तौर पर मैं तो यही चाहूंगी कि हमें बराबर समझा जाए। हमें बराबरी का महत्व नहीं मिलना दिल तोड़ने वाला है, पर मेरा दिल तब ज्यादा दुखता है, जब औरतें ही औरतों के पीछे पड़ जाती हैं। मेरा मानना है कि हमें एक-दूसरे को सपोर्ट करना है, क्योंकि यह सालों की लड़ाई है, जो हमें आगे भी लड़नी है। ऐसा नहीं है कि अब सब ठीक हो गया है। बहुत सी औरतों ने पहले यह लड़ाई लड़ी है, जिसकी वजह से आज हम कम से कम अपनी आवाज उठा पा रहे हैं। लेकिन हमें आगे भी बहुत लड़ाई लड़नी है, तो हमें ये समझना होगा कि हम औरतें एक टीम हैं। हम एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं।

फिल्म महाराज में किशोरी के किरदार के लिए आपको सराहा गया, पर सुना है कि फिल्म में इंटिमेट सीन करके आपको काफी अजीब महसूस हुआ था। कितना चैलेंजिंग था वह?
वह निश्चित तौर पर बहुत चैलेंजिंग रोल था, क्योंकि उसमें बहुत सारे लेयर हैं। बतौर ऐक्टर मेरी कोशिश ये होती है कि ईमानदारी से अपना किरदार निभाऊं। अपनी निजी सोच और नैतिकता हटाकर उस पर भरोसा करूं, उसे समझूं, पर उस समयकाल में जाकर उस लड़की की अंधभक्ति को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल था। उस सीन में मुझे सहज करने में मेरे निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा, राइटर स्नेहा, डीओपी राजीव सर, सबका योगदान रहा, क्योंकि आप किस तरह शूट करते हैं, किस नजरिए से दिखाते हैं, वह बहुत मायने रखता है। मगर वो सीन करते वक्त मुझे उसकी इंटेंसिटी पता चली कि ओह माई गॉड, वे लड़कियां इस चीज से गुजरी होंगी। वो सीन करने के बाद मुझे झटका लगा था क्योंकि तब मुझे समझ में आया कि हम तो ऐक्टिंग कर रहे हैं, मगर जब यह असल में हुआ होगा तब उन लड़कियों पर क्या गुजरी होगी और अभी भी ऐसी चीजें कहीं ना कहीं होती होंगी।

आलिया भट्ट की अल्फा में मानुषी की भी हुई एंट्री

मानुषी छिल्लर को यशराज फिल्म्स ने एक बार फिर मौका दिया है। मिस वर्ल्ड 2017 का खिताब जीतने वाली मानुषी अब आलिया भट्ट की आने वाली स्पाई थ्रिलर फिल्म अल्फा में काम करती दिखेंगी। यशराज फिल्म्स के महिला स्पाई यूनिवर्स की पहली फिल्म अल्फा में आलिया के अलावा शरवरी वाघ भी अहम किरदार में हैं। खबरों के अनुसार, मानुषी फिल्म में जासूसी करती हुई और आलिया व शरवरी के साथ एक्शन सीन्स करती नजर आएंगी। शिव रवैल द्वारा निर्देशित अल्फा इस साल क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन भी एजेंट कबीर के रूप में एक्शन करते दिखाई देंगे, जबकि आलिया एक सुपर एजेंट हैं। बता दें कि मानुषी को बॉलीवुड में लॉन्च करने वाले आदित्य चोपड़ा ही थे। उन्होंने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज में उन्हें ब्रेक दिया था।

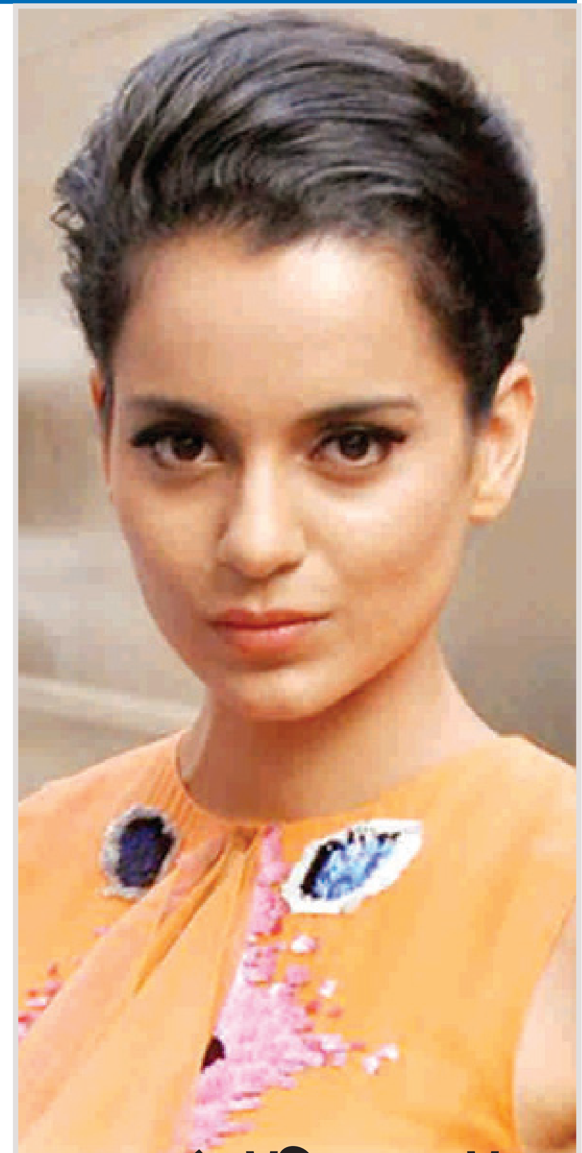

साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म में लीड रोल निभाएंगी कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अब हॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। वह हॉरर ड्रामा 'ब्लेस्ड बी द एविल' में पहली बार मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में कंगना के साथ टीन वुल्फ, टायलर पोसी और हॉलीवुड आइकन सिल्वेस्टर स्टेलोन की बेटी स्कारलेट रोज स्टेलोन होंगी।

जल्द शुरू होगी शूटिंग

वैराइटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म का निर्माण इस गर्मी में न्यूयॉर्क शहर में शुरू होने वाला है। निर्माताओं ने खुलासा किया कि टीम ने जानबूझकर अमेरिकी स्थानों का चयन किया ताकि हाल ही में घोषित ट्रम्प इंडस्ट्री टैरिफ से उत्पन्न किसी भी अनिश्चितता से बचा जा सके। साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है 'ब्लेस्ड बी द एविल' इस फिल्म का निर्देशन अनुराग रुद्र ने किया है। जिन्होंने गाथा तिवारी लायंस मूवीज के अध्यक्ष और संस्थापक के साथ मिलकर इसकी स्क्रिप्ट भी लिखी है। 'ब्लेस्ड बी द एविल' एक साइकोलॉजिकल हॉरर है।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

रिपोर्ट के मुताबिक कहानी एक ईसाई कपल पर केंद्रित है जो गर्भपात के आघात से जूझ रहा है। एक नई शुरुआत की तलाश में, वह एक अंधेरे और भयावह इतिहास वाले एक छोड़े हुए खेत को खरीदते हैं, लेकिन यहां उनका सामना एक दुष्ट शक्ति से होता है। फिल्म के निर्देशक अनुराग ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, 'ग्रामीण भारत में पैदा होने और अपना बचपन बिताने के कारण, मुझे ऐसी कहानियां सुनाई गईं जो मेरे दिमाग और दिल में बस गईं। यह लोककथा इतनी खास थी कि मुझे वास्तव में सभी कहानियों पर विश्वास था। मैं उन्हें सिनेमा की कला के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना चाहता था।' अभिनेत्री कंगना रनौत ने अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। अभिनेत्री को आखिरी बार 'इमरजेंसी' में देखा गया था। इस फिल्म से उन्होंने निर्देशन की भी शुरुआत की। फिल्म में उन्होंने भारत की दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी।

सामंथा की शुभम से साउथ में डेब्यू करेंगे क्लिंटन और बियांका

शोर पुलिस की मशहूर जोड़ी, क्लिंटन सेरेजो और बियांका गोम्स, ने सामंथा रूथ प्रभु की पहली प्रोडक्शन फिल्म शुभम के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रहे हैं। यह जोड़ी फिल्म के लिए पूरे पांच साइंडट्रैक तैयार कर रही है, जिसमें हिप-हॉप से लेकर कई शैलियों के 5 गाने शामिल हैं।

क्लिंटन सेरेजो और बियांका गोम्स की जोड़ी साउथ में करेगी डेब्यू

क्लिंटन सेरेजो और बियांका गोम्स की जोड़ी ने शुभम के लिए पांच गानों का एक शानदार एल्बम तैयार किया है, जो फिल्म की हॉरर-कॉमेडी कहानी को और शानदार बना देगा। इस एल्बम में अलग-अलग शैलियों के गाने हैं, जैसे आर एंड बी, तेलुगु रैप, हिप-हॉप, रेट्रो और इलेक्ट्रॉनिक धुनें। वेलिपोव एक मजेदार आर एंड बी गाना है, जिसमें कुणाल गांजावाला की आवाज है। जाग्रत एक तेज-तर्रार रैप नंबर है, जिसे असुर और नवाब गैंग ने गाया है। अय्यो पापम में क्लिंटन और बियांका की जोड़ी ने मजेदार अंदाज में गाया है। जन्म जन्ममाला बंधम 90 के दशक के टीवी सीरियल की थीम जैसा है और द क्लॉक स्ट्राइक्स 9 एक मॉडर्न इलेक्ट्रो रीमिक्स है, जिसे बियांका और जैन बॉक्सवाला ने गाया है। क्लिंटन ने बताया कि शुभम उनका तेलुगु सिनेमा में पहला प्रोजेक्ट है और उन्हें अलग-अलग शैलियों के साथ प्रयोग करने की पूरी आजादी मिली। वहीं बियांका ने कहा कि फिल्म की कहानी और किरदारों के मूड को ध्यान में रखकर संगीत बनाना मजेदार था और इस आजादी ने उन्हें एक खास एल्बम बनाने में मदद की। शुभम 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। क्लिंटन सेरेजो और बियांका गोम्स, जो सामूहिक रूप से शोर पुलिस के रूप में जाने जाते हैं, एक पॉप बैंड है, जो अपने अनूठे साउंडट्रैक के लिए प्रसिद्ध है। वे अपनी स्वतंत्र संगीत रचनाओं के अलावा, बॉलीवुड में कई हिट गाने भी गा चुके हैं।

खलनायक बन दहशत फैलाएंगे अक्षय, सैफ अली खान संग करेंगे दो-दो हाथ

बॉलीवुड के दो दिग्गज सितारे, अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि दोनों 2016 की सुपरहिट मलयालम फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में काम करेंगे, जिसमें मूल रूप से मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट्स ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि सैफ अली खान लीड रोल में होंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

अक्षय वर्सेज सैफ

यह फिल्म अक्षय और सैफ के बीच एक हाई-वोल्टेज टकराव की कहानी होगी। बॉलीवुड हंगामा ने एक सूत्र के हवाले से बताया, सैफ अली खान मुख्य किरदार में होंगे, लेकिन अक्षय कुमार का खलनायक अवतार दर्शकों को हैरान कर देगा। यह फिल्म दोनों सितारों के बीच एक जबरदस्त जंग दिखाएगी, जो रोमांच और तनाव से भरी होगी।

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनेगी फिल्म

इस प्रोजेक्ट को मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन डायरेक्ट करेंगे, जिन्हें कॉमेडी और थ्रिलर फिल्मों के लिए जाना जाता है। सूत्रों ने बताया कि अक्षय और सैफ ने स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद इस प्रोजेक्ट के लिए तुरंत हामी भर दी। एक सूत्र ने कहा, यह एक सस्पेंस से भरी थ्रिलर फिल्म है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखेगी। प्रियदर्शन का निर्देशन इसे और भी खास बनाएगा। फिल्म की शूटिंग अगस्त 2025 में शुरू होगी और इसे 2026 में रिलीज करने की योजना है। अक्षय और सैफ की जोड़ी आखिरी बार 2008 में टशन में नजर आई थी। अक्षय और सैफ की जोड़ी पहले भी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'आंखें' और 'ये दिल्लगी' जैसी फिल्मों में जादू दिखा चुकी है।

सैफ और अक्षय की फिल्में

सैफ अली खान हाल ही में अपनी फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आए, जिसमें उनके साथ जयदीप अहलावत और निकिता दत्ता भी थे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है और इसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म के अंत ने इसके सीक्वल की संभावना को भी हवा दी है। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की फिल्म केसरी चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है।
अनन्या पांडे और आर. माधवन के साथ उनकी यह पीरियड कोर्टरूम ड्रामा, जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद ब्रिटिश राज के खिलाफ एक वकील की लड़ाई की कहानी है। दर्शकों से इसे जबरदस्त प्यार मिल रहा है। अक्षय की अगली फिल्म हाउसफुल 5 भी चर्चा में है। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बन रही यह कॉमेडी फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज होगी।

तापसी स्टारर हसीन दिलरुबा 3 की स्क्रिप्ट पर शुरू हुआ काम

तापसी पन्नू अपनी चर्चित फिल्म हसीन दिलरुबा का तीसरा पार्ट लेकर आ रही हैं। फिल्म की राइटर और निर्माता कनिका ढिल्लों ने इसके संकेत दिए थे और अब खबरें हैं कि तापसी एक बार फिर दिलरुबा बनकर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हसीन दिलरुबा 3 की स्क्रिप्ट पर काम शुरू हो चुका है। अगले पार्ट में रानी और रीशू की प्रेम कहानी और भी दिलचस्प मोड़ लेगी। कहा जा रहा है कि तीसरी किस्त पिछली दोनों फिल्मों से ज्यादा धमाकेदार होगी, जिसमें ड्रामा, कॉमेडी और रोमांस का तड़का होगा। फिलहाल अनुभव सिन्हा के साथ तापसी की एक फिल्म आ रही है।

राजस्थान में रद्द की गईं 16 ट्रेनें समय से चलेंगी

आंशिक रूप से रद्द ट्रेनें अपने निर्धारित स्टेशन से चलेंगी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में रद्द की गई ट्रेन फिर से शुरू कर दी गई हैं। रेलवे प्रशासन ने 16 ट्रेनों को फिर से शुरू कर दिया है, जो पहले पूरी तरह रद्द कर दी गई थीं। अब ये ट्रेनें अपने तय समय और रूट पर सामान्य रूप से चलेंगी। इसके अलावा 11 आंशिक रूप से रद्द की गई ट्रेनें भी अब अपने प्रारंभिक स्टेशन से अंतिम स्टेशन तक संचालित की जाएंगी। रेलवे के इस फैसले से हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।

रद्द की गईं 16 ट्रेनें अब अपने समय से चलेंगी

- गाड़ी संख्या 09603 - उदयपुर सिटी से वैष्णो देवी कटरा - 14 मई
- गाड़ी संख्या 09604 - वैष्णो देवी कटरा से उदयपुर सिटी - 15 मई
- गाड़ी संख्या 14527 - बठिंडा से श्रीगंगानगर - 10, 11, 12 मई
- गाड़ी संख्या 14528 - श्रीगंगानगर से बठिंडा - 10, 11, 12 मई
- गाड़ी संख्या 19415 - साबरमती से वैष्णो देवी कटरा - 11 मई
- गाड़ी संख्या 19416 - वैष्णो देवी कटरा से साबरमती - 13 मई
- गाड़ी संख्या 19107 - भावनगर टर्मिनस से उधमपुर - 11 मई
- गाड़ी संख्या 19108 - उधमपुर से भावनगर टर्मिनस - 12 मई
- गाड़ी संख्या 20496 - हडपसर (पुणे) से जोधपुर (स्पेशल) - 11 मई
- गाड़ी संख्या 20490 - मथुरा से बाड़मेर - 11 मई
- गाड़ी संख्या 15013 - जैसलमेर से काठगोदाम - 11 मई
- गाड़ी संख्या 14661 - बाड़मेर से जम्मू तवी - 12 मई
- गाड़ी संख्या 14088 - जैसलमेर से दिल्ली - 11 मई
- गाड़ी संख्या 12467 - जैसलमेर से जयपुर - 11 मई
- गाड़ी संख्या 54881 - बाड़मेर से मुनाबाव - 11 मई
- गाड़ी संख्या 54882 - मुनाबाव से बाड़मेर - 11 मई
- आंशिक रूप से रद्द ट्रेनें अपने निर्धारित स्टेशन से चलेंगी
- गाड़ी संख्या 12413, अजमेर -जम्मूतवी 10, 11, और 12 मई को अजमेर से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 12414, जम्मूतवी-अजमेर 11, 12, और 13 मई को जम्मूतवी से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 14030, मेरठ छावनी- श्रीगंगानगर 10,11 और 12 मई को मेरठ छावनी से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 14029, श्रीगंगानगर - मेरठ छावनी 11,12 व 13 मई को श्रीगंगानगर से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 14661, बाड़मेर -जम्मूतवी 10, 11, 12, 13 और 14 मई को बाड़मेर से अपने निर्धारित समय पर चलेगी।
- गाड़ी संख्या 14662, जम्मूतवी -बाड़मेर 11, 12, 13, 14, और 15 मई को जम्मूतवी से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 19 223, साबरमती-जम्मूतवी 10 से 14 मई तक साबरमती से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 19224, जम्मूतवी -साबरमती 11 से 15 मई तक जम्मूतवी से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 19225, भगत की कोठी (जोधपुर) - जम्मूतवी 10 से 14 मई तक भगत की कोठी से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 19226, जम्मूतवी -भगत की कोठी 11 से 15 मई तक जम्मूतवी से चलेगी।
- गाड़ी संख्या 19028, जम्मूतवी -बांद्रा टर्मिनस 11 मई को जम्मूतवी से चलेगी।

झुंझुनूं में शहीद का गाल पकड़ कर बोली पत्नी-उठो

बेटी ने कहा-पापा का बदला लूंगी, बेटे ने सैल्यूट किया, पाकिस्तानी अटैक में गई थी जान

झुंझुनूं (एजेंसी)। पाकिस्तानी हमले में शहीद झुंझुनूं के एयरफोर्स जवान सुरेंद्र कुमार का अंतिम संस्कार किया गया। 8 साल के बेटे दक्ष ने मुखाग्नि दी।

शहीद की बेटी वृतिका (11) का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह कह रही हैं- मेरे पापा बहुत अच्छे थे। दुश्मनों का खात्मा कर खुद शहीद हो गए। पापा ने कहा था कि यहां कुछ नहीं हो रहा, मैं सेफ हूं। पूरा पाकिस्तान खत्म कर देना चाहिए। मैं बदला लूंगी। चुन-चुनकर बदला लूंगी। पापा की तरह फौजी बनना चाहती हूं।

इससे पहले करीब दो घंटे की तिरंगा यात्रा के बाद जवान की पार्थिव देह मेहरादासी (मंडावा) गांव में उनके घर पहुंची। इकलौते बेटे की पार्थिव देह को देखकर मां बेसुध हो गई। वहीं, पत्नी सीमा बार-बार पति का गाल थपथपाती रही। चेहरे को पकड़ने के लिए प्लास्टिक को भी फाड़ने की कोशिश की। बच्चे भी पिता की देह से लिपटकर रोने लगे।

डोटासरा बोले- पीएम बुलाए लोकसभा का विशेष सत्र

भविष्य में आतंकवाद की घटना नहीं होगी, यह गारंटी चाहते है; जूली ने कहा- सर्वदलीय बैठक हो

सीकर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में सीजफायर होने के बाद पीसीसी गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि प्रधानमंत्री को लोकसभा का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। जिसमें विपक्षी दलों और जनता को पहलगाम हमले से लेकर मौजूदा स्थिति के बारे में हर बात बतानी चाहिए।

दरअसल आज डोटासरा और टीकाराम जूली पाकिस्तानी हमले में शहीद हुए झुंझुनूं के जवान सुरेंद्र कुमार को श्रद्धांजलि देने के लिए जा रहे थे। इस दौरान वह सीकर में डोटासरा के निजी आवास पर रुके और मीडिया से बातचीत की।

डोटासरा ने कहा कि सीजफायर होने के बाद भी पाकिस्तान ने वह हरकत की है, जिसका वह हमेशा से आदि रहा है। प्रधानमंत्री को सभी दलों के नेताओं के साथ बैठकर चर्चा करनी चाहिए, क्योंकि अभी भी कई सवाल देश के लोगों के दिलों में है। आतंकवादी आते हैं और हमारे देश के लोगों की हत्या करके चले जाते हैं। हिंदुस्तानी का खून बहता है और उसके बाद भी हमेशा के लिए फुलस्टॉप नहीं लगता।झुंझुनू में शहीद सुरेंद्र सिंह की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित करते हुए भारत और गोविंद सिंह डोटासरा।

विपक्ष समर्थन में, लेकिन पूरा खुलासा जरूरी- उन्होंने कहा कि विपक्ष वर्तमान में भारतीय सेना और सरकार के समर्थन में है तो फिर पूरी बात का खुलासा होना चाहिए। भविष्य में आतंकवाद की घटना नहीं होगी यह गारंटी हर आदमी चाहता है। पहले मोदी ही कहते थे कि अमेरिका हमारी पंचायती करने वाला कौन सा देश होता है? आज हमारा देश और सेना, विपक्षी दल, सब साथ में है तो फिर किसी दूसरे की पंचायती नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जो आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, उन्हें पनपा रहा है, निर्दोष लोगों की हत्या कर रहा है तो बदला भी पूरी तरह से लिया जाना चाहिए। इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे और बांग्लादेश बना दिया था। इसलिए मेरा मानना है कि यदि कोई देश हिंदुस्तान को कम आंक रहा है, तो वह गलत है। हिंदुस्तान किसी भी रूप में कम नहीं है।

देश के लोगों में राष्ट्र प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी है। जो अब उबाल मार रही है कि किसी भी सूरत में दोबारा आतंकवाद की घटना नहीं हो। यह सुनिश्चित किए बगैर हमको कोई विराम नहीं लेना चाहिए। प्रधानमंत्री को पूरे घटनाक्रम और बातों के बारे में सभी को बताकर आम सहमति बनानी चाहिए क्योंकि यह कोई कांग्रेस या बीजेपी का सवाल नहीं है। बल्कि यह तो देश के हर एक नागरिक का सवाल है,राष्ट्र का सवाल और सम्मान है। इसलिए किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष बोले- इंदिरा गांधी के समय हुए पाकिस्तान के 2 टुकड़े- नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कायराना हरकत आतंकियों के द्वारा की गई। उन आतंकियों को पाकिस्तान ने पनाह दी। जब भारत की सेना ने आतंकियों के ठिकाने ध्वस्त किए तो पाकिस्तान को इस चीज का बड़ा दर्द हुआ। उन्होंने ड्रोन और मिसाइल से हमले करने शुरू कर दिए। हमारी सेना ने उनका इलाज किया, उनके ड्रोन-मिसाइल सहित सिस्टम को फेल किया। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्वीट करके जानकारी दी कि सीजफायर किया गया। उसके बावजूद भी पाकिस्तान नहीं रुका और रात तक गोलीबारी होती रही। कल शनिवार को भी बॉर्डर पर हमारे जवान शहीद हुए हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि यह एक गंभीर विषय है, जब ऐसे हालात बन चुके हैं कि पाकिस्तान लगातार हमला कर रहा है। यह पहला वाक्या नहीं है जब पाकिस्तान ने ऐसी कोई हिमाकत की है। वह लगातार ऐसी कोशिश करता रहता है कि हिंदुस्तान सूटेबल नहीं रहे, 65 और 71 के युद्ध हुए, उनमें भी पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े, आज भी उसकी हालत वैसी ही है।

जूली ने कहा कि सीजफायर होने के बाद पूरा देश अचानक इंदिरा गांधी को याद करने लग गया। वह देख रहे थे कि जब इंदिरा गांधी ने निर्णय लिया था तब पाकिस्तान के एक लाख सैनिकों को घुटनों के बल टीका दिया था, उनको सरेंडर करवाया और पाकिस्तान के दो टुकड़े किए। वर्तमान में स्थिति ऐसी थी कि पाकिस्तान का हमें ऐसा इलाज करना था कि वह जिंदगी में भारत की तरफ झांककर नहीं देखे। अब हमारी कांग्रेस पार्टी का यह स्टैंड है कि मोदी सर्वदलीय बैठक बुलाए। इसके बाद लोकसभा का एक विशेष सत्र बुलाया जाए, जिसमें कि इस पूरे प्रकरण की बातें और घटनाक्रम की जानकारी सदस्यों और जनता को बताएं।

राजस्थान के 30 जिलों में आज भी आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। कोटा और भरतपुर में बादल छाने के साथ बारिश हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में आंधी और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 30 जिलों और 12 मई को 27 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना है। हालांकि 13 मई से यह सिस्टम कमजोर पड़ जाएगा और गर्मी का प्रकोप फिर से बढ़ने लगेगा। जयपुर समेत कई शहरों में सुबह से आसमान साफ था, लेकिन दोपहर 11-12 बजे के बाद मौसम में बदलाव आया। उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, कोटा, झालावाड़ और भरतपुर में बादल छाए रहे। राजधानी में शुक्रवार रात का न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के अन्य शहरों में भी रात का तापमान सामान्य रहा। बाड़मेर में 26.6, जैसलमेर में 26.2, करौली में 26.4, फलोदी में 28.2, बीकानेर में 27.3, चूरू में 25.1, गंगानगर में 24.8, उदयपुर में 24.9, कोटा में 25.6 और अजमेर में 23.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

बीजेपी विधायक कंवरलाल मीणा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

20 साल पहले एसडीएम पर तान दी थी पिस्टल, 3 साल की हुई सजा; करना पड़ेगा सरेंडर

अकलेरा (झालावाड़) (एजेंसी)। एसडीएम पर पिस्टल तानने और सरकारी संपत्ति को क्षतिग्रस्त करने के मामले में बीजेपी विधायक कंवरलाल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

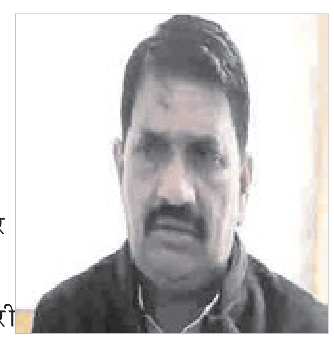

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कंवरलाल की विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया था। उन्हें दो सप्ताह में ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर करने के आदेश दिए थे।

इससे पहले, झालावाड़ की एडीजे अकलेरा कोर्ट ने कंवरलाल को राजकार्य में बाधा डालने, सरकारी अधिकारियों को डराने-धमकाने और संपत्ति में तोड़फोड़ करने का दोषी मानते हुए 14 दिसंबर 2020 को 3 साल की सजा सुनाई थी।

इसके खिलाफ अंता (बारां) के विधायक कंवरलाल ने हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने भी कंवरलाल की याचिका को खारिज करते हुए सजा को बरकरार रखा था।

सरेंडर नहीं किया तो होगी गिरफ्तारी- सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया और (एसीजेएम) मनोहर थाना) कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। एसीजेएम कोर्ट, मनोहरथाना या एडीजे कोर्ट अकलेरा में न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष विधायक सरेंडर कर सकते हैं। ऐसा नहीं करने पर पुलिस गिरफ्तार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी दलीलों को खारिज किया था- 7 मई को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस संजय करोल की बेंच में सुनवाई हुई थी। विधायक के वकील नमित सक्सेना ने कहा था कि रिवॉल्वर की कोई बरामदगी नहीं हुई है। ऐसे में क्रिमिनल फोर्स का कोई मामला नहीं बनता है। जिस वीडियो कैसेट को तोड़ने और जलाने की बात कही गई है, उसे भी पुलिस ने बरामद नहीं किया है। ऐसे में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला भी यहां नहीं बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलीलों को खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने कहा था- आपराधिक पृष्ठभूमि को नजरअंदाज नहीं कर सकते

इससे पहले, हाईकोर्ट ने भी अपील खारिज करते हुए कहा था कि कंवरलाल ने खुद को राजनीतिक व्यक्ति बताया और कानून की रक्षा के बजाय उसकी अवहेलना की। उसके खिलाफ पहले से 15 आपराधिक मामले दर्ज थे। भले ही अधिकतर में वह दोषमुक्त हुआ हो, लेकिन आपराधिक पृष्ठभूमि को दरकिनार नहीं किया जा सकता।

रणथंभौर में टाइगर ने रेंजर को मार डाला

गर्दन पर दांतों और नाखून से किया हमला, 20 मिनट तक शव पर बैठा रहा

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर में टाइगर ने रेंजर को मार डाला। टाइगर रिजर्व के जोन नंबर-3 में बाघ ने रेंजर की गर्दन पर दांतों और नाखून से हमला किया। टाइगर 20 मिनट तक रेंजर के शव पर बैठा रहा। जानकारी के अनुसार, रेंजर देवेंद्र चौधरी रविवार दोपहर गुढ़ा नाके से जोगी महल आए थे। उनके पास जोगी महल का अतिरिक्त चार्ज भी था। वह जोगी महल में यज्ञशाला के पास ट्रेकिंग कर रहे थे। इस दौरान छोटी छतरी के पास टाइगर ने उन पर हमला कर दिया। टाइगर काफी देर तक रेंजर पर बैठा रहा। वनकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद टाइगर को भगाया। देवेंद्र को जिला अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वनकर्मियों से मिली सूचना के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल वन विभाग ने घटना को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

रणथंभौर में टाइगर के हमले में एक महीने में यह दूसरी मौत है। इससे पहले 16 अप्रैल को टाइगर ने 7 साल के बच्चे को मार डाला था।

8 साल पहले जॉइन की थी नौकरी- देवेंद्र चौधरी अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। उन्होंने अपने पिता की जगह करीब 8 साल पहले वनपाल के पद पर नौकरी जॉइन की थी। हाल ही में उनका रेंजर के पद पर प्रमोशन हुआ था। देवेंद्र के डेढ़ साल का बेटा है।

7 साल के बच्चे को मार डाला था- 16 अप्रैल को रणथंभौर में टाइगर ने 7 साल के बच्चे को मार डाला था। बच्चा अपनी दादी के साथ त्रिनेत्र गणेश के दर्शन कर लौट रहा था। अचानक जंगल से टाइगर आया और बच्चे को मुंह में दबोचकर ले गया।

टाइगर काफी देर तक बच्चे की गर्दन पर पंजा रखकर बैठा रहा।

बाड़मेर में बाजार पूरी तरह खुले, पटरी पर लौटा जनजीवन

लोग बोले- सीजफायर का उल्लंघन करना पाकिस्तान के खून में, भूरटिया गांव में मिला संदिग्ध मलबा

बाड़मेर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद रविवार को सीमावर्ती जिले बाड़मेर में जनजीवन सामान्य है। दोपहर 12 बजे सभी बाजार खुले नजर आए और लोगों की आवाजाही रही। सीजफायर पर सहमति होने के 3 घंटे बाद ही पाकिस्तान ने उल्लंघन कर बाड़मेर में कई ड्रोन से हमले किए। इस दौरान जालीपा, उत्तरलाई के पास रात रात और सुबह के समय ड्रोन आसमान में मंडराते नजर आए। भारतीय सेना ने एयर डिफेंस की मदद से इन सभी ड्रोन को हवा में ही मार गिराया।

बाड़मेर जिले के भूरटिया गांव में रविवार को अलसुबह 4 बजकर 27 मिनट पर आसमान से संदिग्ध वस्तु गिरने के साथ धमाका हुआ है। इसके बाद लोगों ने देखा तो डूंगरराम पुत्र नखताराम गर्ग के घर के आगे कुछ मलबा गिरा हुआ मिला। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठे हो गए। लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

बाड़मेर पुलिस की लोगों से अफवाह नहीं फैलाने की अपील

बाड़मेर जिला प्रशासन और पुलिस ने लोगों से अपील की है कि कई जगहों पर संदिग्ध वस्तु या ऑब्जेक्ट्स मिल रहे हैं। लोग उस जगह का नाम सार्वजनिक कर रहे हैं। वर्तमान हालातों को देखते हुए उस जगह का नाम सार्वजनिक नहीं किया जाए। नहीं किया जाए।

लोगों से अपील है कि संदिग्ध वस्तु से 100 मीटर दूरी बनाए रखें। उसकी वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी नहीं की जाए। सोशल मीडिया पर कोई भ्रामक अफवाहें न फैलाएं।

लिंक रैक की कमी के कारण 2 ट्रेनों का संचालन रद्द- उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर लिंक रैक की कमी के कारण तीन ट्रेनों का संचालन रद्द किया जा रहा है।

जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार लिंक रैक की कमी के कारण ट्रेन 04879, बाड़मेर-मुनाबाव एक्सप्रेस जो 11 मई को बाड़मेर से प्रस्थान करेगी। वह प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी। उन्होंने बताया कि उपरोक्त कारण 04880,मुनाबाव- बाड़मेर एक्सप्रेस जो सोमवार को मुनाबाव से प्रस्थान करेगी वह प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी।

अब शांति, पटरी पर लौट रहा जनजीवन- बाड़मेर में आज सुबह दुकानें खुल गईं। जनजीवन सामान्य नजर आया।बाड़मेर जिला प्रशासन ने रविवार सुबह शहर में सभी तरह की गतिविधियों को दोबारा सुचारू करने की अनुमति दे दी है। सुबह रोजाना की तरह बाजार खुले।

बीएपी विधायक का भाई पैसों का बैग लेकर दौड़ता आया, पहले से स्कूटी लेकर इंतजार कर रहा था पीए

जयपुर (एजेंसी)। बागीदौरा (बांसवाड़ा) से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक जयकृष्ण पटेल के 20 लाख की रिश्वत लेने के मामले में एसीबी को अलग-अलग सीसीटीवी मिले हैं। इस सीसीटीवी में विधायक अपने चचेरे भाई विजय पटेल के साथ पैसा लेकर आता दिखाई दे रहा है। इसके बाद चचेरे भाई ने पैसों से भरा बैग पीए रोहित मीणा को दिया। फिर विधायक के साथ लिफ्ट में चला गया। पीए रोहित पैसों से भरे बैग को लेकर स्कूटी से विधायक आवास से बाहर निकल जाता है।

वीडियो में विधायक चचेरे भाई और पीए को इशारा कर रहा है कि वह जल्दी यहां से चला जाए। यह पूरा घटनाक्रम बेसमेंट पार्किंग में लगे सीसीटीवी में कैद हुई जिसे एसीबी ने रिकवर कर ली हैं।

पहला सीसीटीवी फुटेज रोहित पार्किंग के पास में पिलर की आड़ में स्कूटी के साथ खड़ा दिख रहा है। इसके बाद पटेल का चचेरा भाई उसे भाग कर एक बैग देता है। इसे रोहित स्कूटी की डिग्गी में डाल कर विधायक आवास से रवाना हो जाता है। इस दौरान विधायक भी वहीं मौजूद थे। जो रोहित को जल्दी भागने के लिए इशारा करते दिख रहा है।

दूसरे सीसीटीवी फुटेज इस फुटेज में विधायक तेजी से लिफ्ट की तरफ बढते हैं। विधायक का चचेरा भाई विजय कुछ दूरी पर ही खड़े रोहित को पैसा देकर लौटता दिख रहा। विधायक भी रोहित को इशारा करते हैं कि वह जल्दी से यहां से भाग जाएं। इसके बाद रोहित स्कूटी से पार्किंग से बाहर निकलता है।

तीसरा सीसीटीवी फुटेज विधायक जय कृष्ण पटेल का पीए रोहित पैसा लेने के कुछ समय पहले ग्राउंड फ्लोर पर घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। इस दौरान वह लगातार फोन पर बात करता रहता है। फोन पर लगातार विधायक के चचेरे भाई विजय पटेल से बात करता रहता है। मुख्य पोर्च से होता हुआ परिसर से बाहर निकल जाता हैं। इसी दौरान विधायक चेचेरे भाई विजय के साथ लिफ्ट में घुस कर 8वें माले पर अपने फ्लैट में चले जाते हैं।

रोहित मीणा अब भी फरार : वहीं, दूसरी तरफ फरार पीए रोहित मीणा को एसीबी अभी तक नहीं पकड़ पाई है। आरोपी के संभावित ठिकानों पर लगातार रेड की जा रही है। एसीबी रोहित मीणा के फैंके जीपीएस और बैग को भी रिकवर कर चुकी है। इसी बैग में परिवादी ने विधायक को पैसा दिया था। इसे रोहित ने पैसा निकाल कर सुनसान जगह पर फैंक दिया था। सीसीटीवी फुटेज और बैग को एसीबी एफएसएल के पास जांच के लिए भेज चुकी है।

जगराम और लक्ष्मण मीणा उर्फ जसवंत से नहीं मिली लीड : एसीबी ने फरार रोहित मीणा के रिश्तेदार जगराम और लक्ष्मण से इस पूरी घटना को लेकर पूछताछ की, लेकिन दोनों ने घटना को लेकर कोई भी जानकारी होने से इनकार कर दिया है। जगराम और लक्ष्मण दोनों ने 83 हजार रुपए के बारे में भी एसीबी को अभी तक नहीं बताया है। 20 लाख रुपए में से 83 हजार रुपए एसीबी को कम मिले थे। यह पैसा किसके पास है। इसकी अभी जांच की जा रही हैं।वहीं, रोहित मीणा के बारे में दोनों ने एसीबी को कोई जानकारी नहीं दी है। इसलिए एसीबी अपने स्तर पर रोहित की तलाश में लगी हुई है। एसीबी के अधिकारियो का दावा है कि जल्द से जल्द रोहित मीणा की भी गिरफ्तारी एसीबी के द्वारा की जाएगी।

अग्रवाल अध्याय महिला संगठन शाखा पैराडाइज के चुनाव संपन्न

हैदराबाद (एजेंसी)

अगर अध्याय महिला संगठन शाखा द्वारा वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव होटल मुंबई मसाला पैराडाइज में आयोजित किया गया आज यहां शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अध्यक्ष सरोज अग्रवाल ने बताया कि वार्षिक साधारण सभा शांतिपूर्ण संपन्न होने के पश्चात मंच चुनाव अधिकारी केंद्रीय समिति की कंचन अग्रवाल के द्वारा चुनाव संपन्न कराया गया जिसमें अध्यक्ष सरोज अग्रवाल उपाध्यक्ष वर्षा अग्रवाल मंत्री दीपा अग्रवाल सह मंत्री सविता अग्रवाल कोषाध्यक्ष कुसुम अग्रवाल के एस बिना टंडन को चुना गया शाखा ने कंचन अग्रवाल जी का तहे दिल से आभार व्यक्त किया और शाखा के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। शाखा के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर इसमें भाग लिया जिसमें लक्ष्मी अग्रवाल रश्मी अग्रवाल उषा अग्रवाल ललिता गर्ग संजू बेरिया शशि सिंगल सुमन बंसल रेनू अग्रवाल अर्चना अग्रवाल संगीता अग्रवाल कांता अग्रवाल निर्मल अग्रवाल संगीता अग्रवाल कमलेश अग्रवाल सुनीता अग्र।वाल पुष्पा चौखानी आयुषी संगीत आदि ने भाग लिया अध्यक्ष सरोज अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया

हैदराबाद (एजेंसी), श्री श्रीगोपाल श्रीमती उर्मिला दरक के 35 वा विवाह की वर्ष गांठ पर श्रीनिवास सोमानी, आदर्श राजस्थानी जागृति समिति हार्दिक शुभकामनाएं दी।अवसर पर श्रीमती आशा देवी सोमानी, कुमारी वीनीता दरक, रितेश दरक, पिरतेश दरक, श्रीमती निकिता दरक आदि उपस्थित थे।

बुढ़ापे में हर महीने मिलेंगे 5000, मोदी सरकार की इस स्कीम से मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की कई ऐसी स्कीम हैं जिसने निवेशकों के भविष्य को सुरक्षित रखा है। इनमें से एक अटल पेंशन योजना (एपीवाई) है। यह योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की एक पहल है। एपीवाई का संचालन पेंशन फंड विनियामक और विकास (पीएफ आर डीए) की ओर किया जाता है।

स्कीम के बारे में

अटल पेंशन योजना 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी बैंक खाताधारकों के लिए है। यह योजना उन लोगों के लिए आयकरदाता नहीं हैं और चुनी गई पेंशन राशि के आधार पर योगदान अलग-अलग होता है। योजना में शामिल होने के बाद ग्राहक की ओर से किए गए अंशदान के आधार पर, 60 वर्ष की आयु के बाद ग्राहक को पेंशन मिलेगी। इसके तहत निवेशकों को 1000 रुपये या 2000 रुपये या 3000 रुपये या 4000 रुपये या 5000 रुपये की गारंटीकृत न्यूनतम मासिक पेंशन मिलेगी।

ये हैं शर्तें

ग्राहक की असामयिक मृत्यु (60 वर्ष की आयु से पहले मृत्यु) के मामले में जीवनसाथी, शेष निहित अवधि के लिए, मूल ग्राहक के 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, ग्राहक के अटल पेंशन योजना खाते में अंशदान जारी रख सकता है। भुगतान करने के तरीके, ग्राहक मासिक/ तिमाही/ अर्ध-वार्षिक आधार पर अटल पेंशन योजना में अंशदान कर सकते हैं।

योजना से निकासी

ग्राहक कुछ शर्तों के अधीन अटल पेंशन योजना से स्वेच्छा से बाहर निकल सकते हैं, जिसमें सरकारी सह-अंशदान और उस पर रिटर्न/ ब्याज की कटौती शामिल है। योजना के अंतर्गत नामांकित कुल ग्राहकों में से लगभग 47 प्रतिशत महिलाएं हैं।

फायदा उठाने की फिराक में था चीन... अमेरिका ने नहीं दिया भारत-पाकिस्तान की लड़ाई में हाथ सेंकने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन लंबे समय से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन की स्थिति चीन को इस क्षेत्र में मध्यस्थ या महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में खुद को पेश करने का अवसर दे सकती थी। इससे उसका राजनीतिक प्रभाव बढ़ सकता था। लेकिन, अमेरिका ने चीन को हाथ सेंकने का मौका नहीं दिया। उसने बीच में आकर भारत और पाकिस्तान के बीच के बीच संघर्ष विराम करा दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बारे में ऐलान किया। उन्होंने बताया कि दोनों देश तुरंत सीजफायर के लिए तैयार हो गए हैं।

अगर यह तनाव बढ़ता तो चीन के लिए इस क्षेत्र में अपने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के अवसर खुल जाते। वह पाकिस्तान में अपने निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (जैसे सीपीईसी) को पहले से ही बढ़ा रहा है। इसमें और इजाफा हो सकता था। भारत-पाकिस्तान की लड़ाई वह बिना सीधे शरीक हुए हाथ सेंकने की फिराक में था। अभी चीन अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर में उलझा हुआ है। भारत उसका क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी है। ट्रंप की टैरिफ पॉलिसियों के कारण जो कंपनियां चीन को छोड़कर भारत का रुख कर रही हैं, तनाव बढ़ने की स्थिति में उनका भरोसा डगमगा सकता था।

केनरा बैंक ने लोन पर लिया बड़ा फैसला, ग्राहकों के लिए जानना जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने लोन के मोर्चे पर बड़ा फैसला लिया है। बैंक ने अधिकांश अवधियों के लिए फंड आधारित लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) की सीमांत लागत में 0.10 प्रतिशत की कटौती की है, जिससे कर्ज सस्ते हो जाएंगे। केनरा बैंक ने कहा कि एक साल की अवधि का एमसीएलआर मौजूदा दर 9.10 प्रतिशत के मुकाबले नौ प्रतिशत रह जाएगा। बेंचमार्क एमसीएलआर का उपयोग कार और पर्सनल लोन जैसे अधिकांश कंज्यूमर लोन की कीमत तय करने के लिए किया जाता है।

12 मई से लागू: बैंक ने बताया कि एक महीने, तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिए ब्याज दर 8.25-8.80 प्रतिशत के दायरे में होगी। एक दिन की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.30 प्रतिशत के मुकाबले 8.20 प्रतिशत होगी। बैंक ने कहा कि उसकी नई सीमांत एमसीएलआर 12 मई से प्रभावी होगी।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने अपनी प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करके इसे छह प्रतिशत कर दिया था। यह कटौती इस साल लगातार दूसरी बार की गई है।

केनरा बैंक के तिमाही नतीजे: पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में केनरा बैंक का नेट प्रॉफिट 28 प्रतिशत बढ़कर 5,070 करोड़ रुपये हो गया। प्रावधान में कमी और गैर-प्रमुख आय में वृद्धि से बैंक का मुनाफा बढ़ा है।

आरबीआई का एसबीआई पर एक्शन, 1.72 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना; निर्देशों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पर 1.72 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों का ठीक से पालन नहीं करने पर लगाया है। यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के तहत लगाया है। आरबीआई के बयान के अनुसार एसबीआई से आरबीआई के ऋण और अग्रिम वैधानिक व अन्य प्रतिबंध ग्राहक संरक्षण अनधिकृत, इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में ग्राहकों की देयता को सीमित करना और बैंकों की तरफ से चालू खाते खोलना अनुशासन की आवश्यकता पर जारी किए गए कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब: दरअसल, आरबीआई ने 31 मार्च 2023 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के बारे में पर्यवेक्षी मूल्यांकन वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2023) किया। इस दौरान पता चला कि एसबीआई आरबीआई के निर्देशों के पालन नहीं कर रही है। इसके बाद से एसबीआई को एक नोटिस जारी कर कारण बताने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर आरबीआई आप पर क्यों जुर्माना न लगाए। इसके बाद एसबीआई ने आरबीआई के नोटिस का जवाब दिया फिर व्यक्तिगत रखे थे। सुनवाई के बाद से आरबीआई ने एसबीआई पर जुर्माना लगाया है।

एसबीआई पर क्या लगे हैं आरोप: स्टेट बैंक पर यह आरोप था कि उसने एक संस्था (इकाई) को ब्रिज लोन यानी एक तरह का अस्थायी कर्ज दिया, जो केंद्र या राज्य सरकार से मिलने वाली सब्सिडी या भुगतान के बदले में दिया गया था। इसके साथ ही बैंक पर एक अन्य आरोप यह लगा था कि उसने विनियामक आवश्यकताओं के उल्लंघन करते हुए कुछ चालू खाते खोल

रिजर्व बैंक ने क्या कहा

आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंक की तरफ से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा, मौद्रिक जुर्माना आरबीआई की तरफ से एसबीआई के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना लगाया गया है।

अजॉय चावला टाटा की कंपनी में बनेंगे एमडी सीईओ रहते हुए टाइटन को पहुंचाया नए मुकाम पर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन में एक बड़ा बदलाव होने वाला है। अजॉय चावला अगले साल 1 जनवरी से कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर बनेंगे। वर्तमान एमडी सीके वेंकटरमन 31 दिसंबर को रिटायर हो जाएंगे। टाटा ग्रुप के नियमों के अनुसार, वे अपनी उम्र पूरी होने पर रिटायर हो रहे हैं। अजॉय चावला साल 2019 में टाइटन के ज्वेलरी विभाग के सीईओ बने थे। उनके नेतृत्व में ज्वेलरी के कारोबार में बहुत तरक्की हुई। ज्वेलरी की बिक्री और मुनाफा 2.5 गुना बढ़ गया। साथ ही, टाइटन ज्वेलरी मार्केट में सबसे आगे रहा। मारुति सुजुकी का मार्केट शेयर घटा, टाटा और हुंडई को पछाड़ महिंद्रा एंड महिंद्रा बनी दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी

बोर्ड में होंगे शामिल

अजॉय चावला को एमडी बनाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी है। कंपनी जल्द ही उन्हें बोर्ड में शामिल करने और एमडी बनाने की प्रक्रिया पूरी करेगी। ज्वेलरी विभाग के लिए नए सीईओ की खोज बाद में की जाएगी। वेंकटरमन ने कहा, टाइटन टीम की ओर से मैं अजॉय का स्वागत करता हूं। वे टाइटन को आगे बढ़ाएंगे। अजॉय ग्राहकों को समझते हैं, लोगों के साथ मिलकर काम करते हैं और वैल्यू बनाने पर ध्यान देते हैं। वे टाइटन को और भी आगे ले जाएंगे। अजॉय चावला ने 1990 में टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज से अपने करियर की शुरुआत की थी। 1991 में वे टाइटन के फाइनेंस विभाग में शामिल हुए। उन्होंने घड़ियों के विभाग में 20 सालों तक काम किया। इस दौरान उन्होंने बिक्री, मार्केटिंग, सप्लाई चेन और एचआर जैसे कामों को संभाला।

नए कारोबार को बढ़ाया आगे

साल 2013 से 2019 तक अजॉय ने चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर के तौर पर काम किया। इस दौरान उन्होंने नए बिजनेस शुरू करने, परफ्यूम के कारोबार को बढ़ाने और तनेरा बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद की। टाइटन ने 2024-25 में 57,818 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया, जो पिछले साल से 22 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि, कंपनी का मुनाफा 2 प्रतिशत घटकर 4,535 करोड़ रुपये रहा। इसकी वजह यह थी कि इस दौरान सोने पर कस्टम ड्यूटी कम हो गई थी। कंपनी के रेवेन्यू में मार्च तिमाही में पिछले साल के मुकाबले 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

केंद्रीय कर्मचारियों को डीए पर लगेगा झटका दूसरी छमाही के लिए मिल रहे संकेत

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के केंद्रीय कर्मचारी अगली छमाही यानी जुलाई से दिसंबर तक की अवधि के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) का इंतजार करने लगे हैं। यह इंतजार इसलिए भी है क्योंकि पहली छमाही के दौरान कर्मचारियों के भत्ते में मामूली बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान में कर्मचारियों का भत्ता 55 फीसदी है। आइए जान लेते हैं कि केंद्रीय कर्मचारियों को अगली छमाही में कितना भत्ता मिल सकता है।

2 प्रतिशत की बढ़ोतरी

केंद्र सरकार ने पिछले महीने करीब 1.2 करोड़ केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे 55 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। जनवरी से जून की अवधि के लिए डीए में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी पिछले 78 महीनों में सबसे कम थी।

7वें वेतन आयोग का आखिरी डीए

कैलेंडर वर्ष, 2025 के पहले तीन महीनों में मुद्रास्फीति में और गिरावट से पता चलता है कि केंद्रीय कर्मचारियों को डीए में 2 प्रतिशत से कम बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। 2025 के पहले दो महीनों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों में गिरावट देखी गई, जिससे जुलाई-दिसंबर 2025 के लिए डीए बढ़ोतरी कम हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इससे केंद्र सरकार के करोड़ों कर्मचारी और पेंशनभोगी और निराश होंगे। तकनीकी रूप से यह 7वें वेतन आयोग में अंतिम डीए संशोधन होगा। बता दें कि इस साल 31 दिसंबर को 7वां वेतन आयोग अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करेगा।

भारी बिकवाली में रेखा झुनझुनवाला को 2 शेयरों से हुआ 892 करोड़ रुपये का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के चर्चित निवेशक रहे राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को शुक्रवार को तगड़ा फायदा हुआ है। टाटा ग्रुप की दो कंपनियों के शेयरों में तेजी की वजह से उन्हें 892 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। ऐसा रिटर्न ऐसे समय में मिला है जब भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की वजह से शेयरों बाजार में बिकावली का दौर है।

कौन से हैं वो 2 टाटा ग्रुप के स्टॉक: इस लिस्ट एक कंपनी का नाम टाइटन है। कंपनी ने मार्च तिमाही के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, दूसरी कंपनी टाटा मोटर्स है। टाटा मोटर्स को भारत और यूके के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का फायदा मिला है। बता दें, कारगिल युद्ध के दौरान भी टाटा मोटर्स का प्रदर्शन शानदार रहा था। तब कंपनी के शेयरों में करीब 92 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी।

टाइटन के शेयरों में शुक्रवार दिखी तूफानी तेजी: शुक्रवार को टाइटन के शेयरों में 4.95 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर 3530 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। मार्केट कैप 3.11 लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंचने में सफल रहा था। बाजार के बंद होने के समय पर टाइटन के शेयरों का भाव 3363.45 रुपये के लेवल पर था। इस कंपनी झुनझुनवाला के शेयरों की वैल्यू शुक्रवार को 15,402.30 करोड़ रुपये से बढ़कर 16,165.09 करोड़ रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। महज एक दिन में उनके शेयरों की वैल्यू 762.69 करोड़ रुपये बढ़ी थी। बता दें, टाइटन का नेट प्रॉफिट 870 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 10.70 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, इसी दौरान कंपनी का रेवन्यू 13477 करोड़ रुपये रहा है।

टाटा मोटर्स ने भी पकड़ी रफ्तार: टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर शुक्रवार को 3.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 709 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, स्टॉक का भाव 681.90 रुपये के लेवल पर आकर बंद हुआ था।

राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान तेल, गैस पर होगा सरकार का पहला अधिकार, मसौदा नियमों में कही गई यह बात

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में संशाधन के लिए तैयार किए गए मसौदा नियमों के अनुसार राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में सरकार के पास देश में उत्पादित सभी तेल और प्राकृतिक गैस पर पहला अधिकार होगा। कच्चे तेल को भूमिगत या समुद्र तल के नीचे से निकाला जाता है और इसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिष्कृत किया जाता है। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक उत्पादन, वाहनों के लिए सीएनजी और पाइप्ड रसोई गैस के लिए किया जाता है। नियमों में संशोधन से जुड़े मसौदे में ऐसे अधिकारों को शामिल करने का मकसद सरकार को राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने और आपात स्थितियों के दौरान सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने में मदद करना है। मसौदा नियमों के अनुसार तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादकों को पूर्व-अधिकरण के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य का भुगतान किया जाएगा। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मसौदा नियमों पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। इस वर्ष की शुरुआत में संसद ने तेल क्षेत्र (विनियमन व विकास) संशोधन विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और देश के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को समर्थन देने के लिए 1948 के अधिनियम के पुराने प्रावधानों को बदलने का प्रस्ताव है। नियमों में कहा गया है कि, पेट्रोलियम उत्पादों या खनिज तेल के संबंध में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में, भारत सरकार को, ऐसे आपातकाल के दौरान, हर समय, पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस से उत्पादित खनिज तेलों, परिष्कृत पेट्रोलियम या पेट्रोलियम या खनिज तेल उत्पादों, या ऐसे कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस, जिसे पट्टेदार को भारत के भीतर परिष्कृत किए बिना बेचने, निर्यात करने या निपटाने की अनुमति है, और इस पर सरकार को पूर्वाधिकार का अधिकार होगा।

आपातकाल का क्या मतलब, फिलहाल इसकी परिभाषा मसौदे में नहीं: इस अधिकार का प्रयोग भारत सरकार की ओर से पट्टेदार को पूर्वक्रय के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य, पूर्वक्रय में लिए गए पेट्रोलियम या पेट्रोलियम या खनिज तेल उत्पादों या कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के लिए प्रदान करके किया जाएगा। हालांकि नियमों में यह परिभाषित नहीं किया गया कि राष्ट्रीय आपातकाल क्या होगा। उद्योग सूत्रों ने कहा कि युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियां- जैसे कि पाकिस्तान के साथ सैन्य गतिरोध में देश ने सामना किया - या प्राकृतिक आपदाएँ राष्ट्रीय आपातकाल का गठन कर सकती हैं।

नियमों में कहा गया है, खनिज तेलों के संबंध में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति क्या होगी, इसका निर्णय भारत सरकार को ही करना होगा। इस संबंध में उसका निर्णय अंतिम होगा। मसौदा नियमों में तेल और गैस परिचालकों को अप्रत्याशित परिस्थितियों में अधिनियम के तहत अपने दायित्वों से छूट देने का भी प्रावधान है। नियमों में कहा गया है कि अप्रत्याशित घटना में दैवीय आपदा, युद्ध, विद्रोह, दंगा, नागरिक उपद्रव, ज्वार, तूफान, ज्वार की लहर, बाढ़, बिजली, विस्फोट, आग, भूकंप, महामारी और अन्य कोई भी घटना शामिल है, जिसे पट्टेदार उचित रूप से रोक या नियंत्रित नहीं कर सकता।

सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान पर बरसे शिखर धवन, लिखा- घटिया देश ने...

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजफायर होने के चार घंटे बाद ही पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर फिर उतारू हो गया और भारत के इलाकों में फिर से बमबारी चालू कर दी। भारतीय फौजें इसका जोरदार जवाब दे रही हैं। वहीं, पाकिस्तान की इस हरकत से भारतीय क्रिकेटर भी बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। बीते दिन भी धवन ने इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद! सहवाग, जिन्हें मुल्तान के सुल्तान के नाम से जाना जाता है, ने भी अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक तीखा संदेश पोस्ट किया। उन्होंने हिंदी मुहावरे कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है. का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के बार-बार संघर्ष विराम तोड़ने की प्रवृत्ति पर कटाक्ष किया। यह मुहावरा उन लोगों या संस्थाओं के लिए प्रयोग किया जाता है जो बदलाव का विरोध करते हैं। सहवाग का यह तंज पाकिस्तान के संघर्ष विराम उल्लंघनों के इतिहास पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। बता दें कि शनिवार शाम दोनों देशों ने औपचारिक रूप से संघर्ष विराम समझौते की घोषणा की थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने तत्काल प्रभाव से सभी शत्रुताएं–चाहे वह भूमि, वायु या समुद्र से हों–समाप्त करने पर सहमति जताई थी। लेकिन पाकिस्तान ने इस विराम को तोड़ दिया। वहीं, देर रात खबरें आई कि चीन ने पाकिस्तान की वकालत की है लेकिन इस संबंधी जब भारत के विदेशी मंत्रालय ने चीन में बात की तो उन्होंने इससे साफ इंकार कर दिया और कहा कि वह हर वक्त आतंकवाद का विरोध करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम यूएई दौरे के लिए तैयार, पाकिस्तान यात्रा पर अभी सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को ऐलान किया कि उनकी पुरुष राष्ट्रीय टीम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा करेगी। हालांकि, पाकिस्तान में प्रस्तावित पांच टी20 मैचों के दौरे को लेकर बोर्ड ने अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। यूएई क्रिकेट बोर्ड ने पहले घोषणा की थी कि बांग्लादेश की टीम मई में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान यूएई के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले 17 और 19 मई को स्थानीय समयानुसार शाम 7ः00 बजे होंगे। इसके बाद बांग्लादेश को 25 मई से 3 जून तक पाकिस्तान में पांच टी20 मैच खेलने थे।

बीसीबी ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर चल रहे तनाव के कारण, जिसके चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) स्थगित हो चुके हैं, पाकिस्तान दौरे का फैसला टाल दिया गया है। शनिवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बीसीबी के निदेशकों की एक बैठक हुई, जिसमें भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी प्रतिबद्धता और तैयारियों को जारी रखते हुए, बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम अगले सप्ताह यूएई में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पाकिस्तान दौरे के बारे में बीसीबी ने कहा, हम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ इस दौरे को लेकर लगातार संपर्क में हैं। खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, दौरे से जुड़ा कोई भी फैसला सावधानीपूर्वक और बांग्लादेश क्रिकेट के हित में लिया जाएगा। बीसीबी ने स्पष्ट किया कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और जल्द ही पाकिस्तान दौरे पर अंतिम निर्णय लेगा।

लारा ने कहा-

विराट टेस्ट से संन्यास न लें

- टेस्ट क्रिकेट को उनकी जरूरत आगे
- 60 से ऊपर की औसत से रन बनाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट इंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कथित फैसले को वापस लेने की सार्वजनिक अपील की है। यह अपील ऐसे समय में आई है जब कोहली के टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

35 वर्षीय कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि वह 20 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी हार नहीं मानी है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि वे कोहली को टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर तब जब इंग्लैंड और के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया चक्र शुरू हो रहा है। लारा, जिन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, ने कोहली की टेस्ट क्रिकेट में उपलब्धियों और उनके प्रभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी हर पीढ़ी में एक बार आते हैं। उनकी तकनीक, जुनून और खेल के प्रति समर्पण टेस्ट क्रिकेट को जीवंत बनाए रखते हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। विश्व क्रिकेट को अभी उनकी जरूरत है। लारा ने यह भी कहा कि कोहली की मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम करती है और भारत के डब्ल्यूटीसी अभियान के लिए उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड कोहली के साथ गहन चर्चा कर रहा है। वे चाहते हैं कि कोहली कम से कम इस डब्ल्यूटीसी चक्र तक टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखें, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी शामिल है। कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में 8,848 रन बनाए हैं, जिसमें 29 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 49.15 है, जो उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता को दर्शाता है। हालांकि, कोहली ने पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट पर अधिक ध्यान दिया है, और कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि वह अपने करियर के इस पड़ाव पर कार्यभार को कम करना चाहते हैं। दूसरी ओर, प्रशंसक और क्रिकेट विशेषज्ञ कोहली को टेस्ट क्रिकेट में योगदान देते देखना चाहते हैं।

लारा की अपील और बीसीसीआई के प्रयासों के बीच, क्रिकेट जगत कोहली के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहा है।

विराट कोहली का संन्यास सही पर टाइमिंग गलत: सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर हलचल मच गई है। खबर है कि टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के बहुप्रतीक्षित पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का चौंकाने वाला फैसला किया है। इस खबर ने न केवल प्रशंसकों को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष अधिकारियों को भी चिंता में डाल दिया है। बीसीसीआई ने कोहली से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, क्योंकि यह सीरीज अगले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगी।

भारतीय सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कोहली के इस फैसले पर अपनी राय रखते हुए कहा कि हालांकि कोहली का युवाओं को मौका देने का इरादा नेक है, लेकिन इंग्लैंड दौरे से पहले इसकी टाइमिंग गलत है। सिद्धू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, विराट कोहली का संन्यास लेने का फैसला क्रिकेट जगत में तहलका मचा रहा है। उनका इरादा सही है, उनका मकसद नेक है कि 'पुरानी व्यवस्था को बदलकर नई पीढ़ी को मौका देना चाहिए।' लेकिन समय और अवसर उचित नहीं है, क्योंकि भारत का गौरव और प्रतिष्ठा दांव पर है।

सिद्धू ने आगे कहा, हम एक ऐसे दौरे पर जा रहे हैं, जो अन्य टेस्ट खेलने वाले देशों के लिए भी सबसे कठिन चुनौती है। मैं क्यों कहता हूं कि कोहली इंग्लैंड में हमारे 'चमकते हुए योद्धा' हो सकते हैं? क्योंकि उनके पास अनुभव है, खासकर रोहित शर्मा के संन्यास के बाद आप इंग्लैंड में एक अनुभवहीन टीम नहीं भेज सकते।

इंडिया वूमेन-श्रीलंका वूमेन

स्मृति मंधाना ने 92 गेंदों पर ठोका शतक, खेली 116 रन की पारी, भारत ने बनाए 342 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ वूमेन्स ट्राई नेशनल सीरीज 2025 के फाइनल में कमाल की शतकीय पारी खेली। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए श्रीलंका के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन का विशाल स्कोर बनाया और विरोधी टीम को जीत के लिए 343 रन का टारगेट दिया। भारत की तरफ से हरलीन देओल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स इस मैच में अर्धशतक लगाने से चूक गईं। .स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में गजब की पारी खेलते हुए 92 गेंदों पर शतक पूरा किया और इस मैच में उन्होंने 2 छक्के और 15 चौकों की मदद से 101 गेंदों पर 116 रन ठोक डाले। ये मंधाना के वनडे क्रिकेट करियर का 11वां शतक रहा। पहले विकेट के लिए मंधाना ने इस मैच में प्रतिका रावल के साथ मिलकर 70 रन की साझेदारी की जबकि दूसरे विकेट के लिए हरलीन देओल के साथ मिलकर 120 रन की शतकीय साझेदारी निभाई।

भारतीय महिला टीम ने बनाए 342 रन

भारतीय महिला टीम की बैटिंग फाइनल मैच में जबरदस्त रही और इस टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन बनाए। भारत की तरफ से मंधाना की शतकीय पारी के अलावा हरलीन देओल ने 47 रन जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंदों पर 41 रन तो वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने तेज गति से 29 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 44 रन बनाए। ये तीनों अपने अर्धशतक के करीब आकर आउट हो गईं। इसके अलावा निचले क्रम की बल्लेबाज अमनजीत कौर ने 12 गेंदों पर 18 रन तो वहीं दिप्ती शर्मा ने 14 गेंदों पर नाबाद 20 रन की पारी खेली।

गंभीर-अगरकर ने तय किया भारत का नया टेस्ट कप्तान!

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया को अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाना है. दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. ये वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पहली सीरीज भी होगी, जिसकी शुरुआत 20 जून से होनी है. इस सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट के नए दौर की भी शुरुआत होगी.

दरअसल, भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट फॉर्मेट में संन्यास लिया है, जो टेस्ट टीम के कप्तान भी थे. ऐसे में इस दौरे पर भारतीय टीम एक नए कप्तान के साथ जाएगी. इस कप्तान का नाम तय हो गया है और बीसीसीआई जल्द ही इसका ऐलान भी करेगी. रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी खराब रहा था और टीम इंडिया को हार का सामना भी करना पड़ा था. उसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को अब टेस्ट में जगह नहीं मिलेगी. इन सब खबरों के बीच उन्होंने संन्यास का ऐलान करके को चौंका दिया. इसके बाद नए कप्तान की रेस में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हो गए, जिसमें सबसे बड़ा नाम जसप्रीत बुमराह का है. लेकिन वह इस रेस में पिछड़ गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान होंगे.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 या 24 मई इस दौरे लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन किया जाएगा. हालांकि, यह तय हो गया है कि गिल ही इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के कप्तान होंगे. वहीं, बीसीसीआई प्रेस कॉन्फ्रेंस करके गिल को अगला कप्तान बनाने का ऐलान कर सकती है. इतना ही नहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट क्रिकेट के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से मुलाकात भी की है.

रेड-बॉल क्रिकेट में पहली बार संभालेंगे कमान

ये पहला मौका होगा जब शुभमन गिल रेड-बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे. इससे पहले वह टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं. पिछले साल जिम्बाब्वे दौरे पर वह टीम का कप्तान बनकर गए थे, जब 5 टी20 मैच खेले गए थे. इसके अलावा वह आईपीएल में गुजरात की टीम के कप्तान भी हैं. आईपीएल 2025 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, जिसके चलते उन्हें अब टेस्ट टीम की कमान मिलने जा रही है. हालांकि, बीसीसीआई का आखिरी फैसला क्या होगा, इसका पता 23 या 24 मई को चल जाएगा.

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर का निधन...

टेस्ट में जड़ा था ऐतिहासिक तिहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़ी एक दुखद खबर सामने आई है. दिग्गज क्रिकेटर बॉब काउपर का मेलबर्न में निधन हो गया. काउपर 84 साल के थे और उनका निधन 11 मई (रविवार) को हुआ. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने काउपर के निधन की पुष्टि की है. काउपर लंबे समय से कैंसर बीमारी से जूझ रहे थे.

काउपर के परिवार में उनकी पत्नी डेल और दो बेटियां (ओलिविया और सेरा) हैं. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, बॉब काउपर के निधन की खबर सुनकर हमें गहरा दुख हुआ है. वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बेहद सम्मानित व्यक्ति थे. बॉब एक शानदार बल्लेबाज थे, जिन्हें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में उनके तिहरे शतक के साथ-साथ 1960 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया (राज्य) टीमों में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हमेशा याद किया जाएगा. बाएं हाथ के बल्लेबाज बॉब काउपर को उनके बेहतरीन स्ट्रोक प्ले और संयमित बल्लेबाजी करने के लिए जाना जाता था.

काउपर ने अपनी सबसे यादगार पारी फरवरी 1966 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी. तब उन्होंने लगभग 12 घंटे की मैराथन पारी में 589 गेंदों पर 307 रन बनाए थे. यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी बल्लेबाज का टेस्ट क्रिकेट में पहला तिहरा शतक था. साथ ही 20वीं सदी में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में बनाया गया यह इकौलता तिहरा शतक भी रहा. देखा जाए तो ये बॉब काउपर का तीसरा टेस्ट शतक था. उन्होंने एक साल पहले कैरेबियाई धरती पर दो शतक बनाए थे. फिर तिहरे शतक के बाद उन्होंने दो और शतक बनाए. उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से साल 1968 में संन्यास की घोषणा की, तब वो सिर्फ 28 वर्ष के थे. काउपर ने 1964 से 1968 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 27 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 46.84 के एवरेज से 2061 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 10 अर्धशतक निकले.

घरेलू मैदान पर जमकर बनाते थे रन

घरेलू मैदान पर बेन काउपर का रिकॉर्ड और भी दमदार था, जहां उन्होंने 75.78 की औसत से टेस्ट क्रिकेट में 1061 रन बनाए थे. वह महान डॉन ब्रैडमैन के बाद घरेलू जमीन पर सबसे ज्यादा टेस्ट औसत वाले बल्लेबाज हैं. काउपर ने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी का भी जलवा दिखाया और टेस्ट में 36 विकेट झटके. काउपर ने 147 फर्स्ट क्लास मैचों में 10595 और 4 लिस्ट-ए मैचों में 77 रन बनाए.

पीएसएल 2025 की मेजबानी से किया इनकार

अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने निभाई बीसीसीआई और जय शाह से दोस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव जारी रहने के बावजूद, क्रिकेट कूटनीति चुपके से अपनी भूमिका निभा रही है। खबर है कि अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की उस अपील को ठुकरा दिया, जिसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के बचे हुए मैचों को यूएई में आयोजित करने की मांग की गई थी।

माना जा रहा है कि यह फैसला भारतीय क्रिकेट प्रशासकों के इशारे पर लिया गया। एक क्रिकेट अधिकारी ने कहा, ÷जब सीमा पर हमारे जवान शहीद हो रहे हैं, तब हम चुप नहीं रह सकते। क्रिकबज ने पहले भी इस बात के संकेत दिए थे कि भारत की ओर से दबाव बनाया गया था, और अब ईसीबी का यह फैसला उसी दिशा में दिखाई देता है। पूर्व बीसीसीआई सचिव और वर्तमान आईसीसी चेयरमैन जय शाह की प्रतिष्ठा और यूएई के नेतृत्व व क्रिकेट बोर्ड के साथ उनके करीबी रिश्तों ने इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीसीसीआई और ईसीबी के बीच संबंध हमेशा से सौहार्दपूर्ण रहे हैं,

खासकर तब से जब बीसीसीआई ने जय शाह के नेतृत्व में यूएई में डेढ़ आईपीएल सीजन और 2021 टी20 विश्व कप का आयोजन किया। ईसीबी के महासचिव मुबाशिर उस्मानी, जो मूल रूप से मुंबई के हैं उन्होंने भी इन रिश्तों को और मजबूत किया है। एक ईसीबी अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, हम बीसीसीआई और जय भाई के आभारी हैं.

ओल्ड सिटी वॉकर्स वेलफेयर एसोसिएशन और पाटबस्ती के लोगों ने शहीद जवान मुरली नायक और सचिन यादव को श्रद्धांजलि

हैदराबाद (एजेंसी),

ओल्ड सिटी वॉकर्स वेलफेयर एसोसिएशन और पाटबस्ती के लोगों ने शहीद भारतीय सेना के जवान मुरली नायक और सचिन यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। ओल्ड सिटी वॉकर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री बी. उमेश गौड़ ने कहा कि सैनिकों की बहादुरी के कारण ही भारत बहुत मजबूत और सुरक्षित है। रविवार को लाल दरवाजा के निकट पूल बाग जीएचएमसी खेल मैदान में ओल्ड सिटी वॉकर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में पाकिस्तान और भारत के बीच हुए युद्ध में 14 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने वाले तेलुगू शहीद मुरली नाइक और सचिन यादव को भव्य श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा किये गये हमलों से देश गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्म-सम्मान और नैतिक मूल्यों की रक्षा के प्रयास के तहत प्रत्येक भारतीय से भारतीय सेना में भागीदार बनने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका की यात्रा पर गए होल सिटी वॉकर्स एसोसिएशन के मुख्य सलाहकार और तेलंगाना इंटेलेक्चुअल फोरम राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. राजनारायण मुदिराज ने संदेश भेजकर कहा कि भारतीय सेना हमारे लिए अपने प्राणों की आहुति दे रही है, हमें न केवल उनके साहस की सराहना करनी चाहिए बल्कि उनका समर्थन भी करना चाहिए। आकाशवाणी के सेवानिवृत्त तकनीकी अधिकारी श्री टी. नरेन्द्र रेड्डी ने कहा कि देश की संप्रभुता की रक्षा में सैनिकों की सेवाएं सराहनीय हैं तथा उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि पाकिस्तान ने कपट दिखाया है तथा युद्ध विराम का अनुरोध करने के कुछ ही घंटों के भीतर सीमा पर हमले कर रहा है। यह घटना अक्षम्य है। भारतीय सीमा पर गोलीबारी में शहीद हुए बहादुर भारतीय सैनिकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। आर्य समाज के प्रमुख प्रचार सचिव एवं राष्ट्रीय योग गुरु श्री एस. रामकृष्ण शास्त्री ने गीत गाकर और शांति गीत प्रस्तुत कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में के. रघु, बी शेखर, एम किरण चारी, एस सुरेंदर, बी अंजनेयुलु चारी, एम शशिधर चारी, बी वेंकटेश, एच हनुमंत रेड्डी, ई गिरीश बाबू, श्रीनिवास चारी, विजय कुमार, राजा प्रभु, मुक्केबाजी कोच प्रताप प्रदीप और विभिन्न खेल प्रशिक्षकों ने भाग लिया और राष्ट्रीय ध्वज और नारे के साथ बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

तेलंगाना उर्दू जर्नलिस्ट फेडरेशन पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद (एजेंसी),

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी तेलंगाना उर्दू जर्नलिस्ट फेडरेशन का वर्ष 2023 -24 फैज़ मोहम्मद असगर, तबस्सुम फरीदी और हबीब अली अल जिलानी वरिष्ठ उर्दू पत्रकार पुरस्कार कार्यक्रम हैदराबाद के सुरावरम प्रताप रेड्डी ऑडिटोरियम में फेडरेशन के अध्यक्ष एम ए माजिद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिये हैदराबाद सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी, तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर, प्रेस अकादमी चेयरमैन श्रीनिवास रेड्डी और टीयूडब्ल्यूजे के प्रदेश अध्यक्ष विराहत अली की उपस्थिति में 8 उर्दू के वरिष्ठ पत्रकारों को 10 हजार नकद, मोमेंटो और शाल के साथ सम्मानित किया गया। सम्मानित पत्रकारों में करीमनगर सियासत टीवी रिपोर्टर एम ए असद के अलावा हैदराबाद के सियासत उर्दू वरिष्ठ पत्रकार नयीम वजाहत, वरंगल के एतेमाद उर्दू वरिष्ठ पत्रकार वहीद गुलशन, यासर उल्लाह शकील, इफ्तेखार अली वाजिद, शाहिद अहमद तवकक्ल, मोहम्मद अलीमुद्दीन, के एन वासिफ हैं।

कार्यक्रम में फेडरेशन के सचिव सय्यद गौस मोहिउद्दीन, कोषाध्यक्ष एम ए मोहसिन और अन्य उपस्थित थे। अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सय्यद इमामुद्दीन, मोहसिन मोहिउद्दीन, सादत अली सिद्दीकी, सिराज मसूद, सादिक अली, अफजल पाशा, अजहरुद्दीन फैसल और शीराज ने असद को बधाई दी।

अग्रवाल समाज तेलंगाना आगापुरा शाखा के चुनाव संपन्न

हैदराबाद (एजेंसी),

आज सुभाष अग्रवाल के निवास स्थान पर अग्रवाल समाज आगापुरा शाखा के आगामी दो वर्षों के लिए शाखा के पदाधिकारियों का चयन किया गया।

सुभाष अग्रवाल को सर्व सम्मति से अध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया। विनोद कुमार अग्सरवाल को उपाध्यक्ष,अजय अग्रवाल को मानद मंत्री,अशोक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष,निशांत अग्रवाल को सह मंत्री के रूप में चयनित किया गया।

अनिरुद्ध गुप्ता को केंद्रीय समिति सदस्य के रूप में चयनित किया गया। इस अवसर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी और सुगमता से की गई चुनाव प्रकिया की सराहना की।

हैदराबाद(एजेंसी), अग्रवाल समाज की 70 वीं मैरेज डेटा कमिटी की बैठक समाज कार्यालय राघव रत्ना में आयोजित की गई। बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, संयोजक रमेश कुमार तुलसियान वाईस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, अशोक कुमार दादरीवाला, गोविंद राम गुप्ता, इक्युपंक्च्यर के डॉ. बाल कृष्ण सुरेखा एवं बालक बालकों के अभिभावक गण उपस्थित थे

हैदराबाद (एजेंसी),हिंदी नगर कल्याण सोसायटी पदाधिकारी ने आज हिंदी नगर गोशाला का उद्घाटन किया।अवसर पर सभी सदस्य उपस्थित थे।

हैदराबाद (एजेंसी)अखिल भारतीय जैन अल्पसंख्यक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ललित गांधी जी द्वारा तेलंगाना अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हिमांशु बापणा को तेलंगाना अल्पसंख्यक जैन महासंघ के अध्यक्ष पद मनोनयन पर मारवाड़ मेवाड़ जैन तेरापंथ परिषद द्वारा सम्मान करते हुए परिषद के अध्यक्ष पारसमल गेलड़ा उपाध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी अशोक मेड़तवाल मंत्री विजय आंचलिया भंवर लाल बंबोली हुकमीचंद कोचेटा अशोक बंबोली रमेश संचेती प्रमोद बंबोली आदि उपस्थितअखिल भारतीय जैन अल्पसंख्यक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ललित गांधी जी द्वारा तेलंगाना अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य श्री हिमांशु बापणा को तेलंगाना अल्पसंख्यक जैन महासंघ के अध्यक्ष पद मनोनयन पर मारवाड़ मेवाड़ जैन तेरापंथ परिषद द्वारा सम्मान करते हुए परिषद के अध्यक्ष पारसमल गेलड़ा उपाध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी अशोक मेड़तवाल मंत्री विजय आंचलिया भंवर लाल बंबोली हुकमीचंद कोचेटा अशोक बंबोली रमेश संचेती प्रमोद बंबोली आदि उपस्थित थे।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net